● वर्ष : 17 ● अंक : 237 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

दैनिक लोकतंत्र की शान

WWW.LKSTV.IN

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित बुधवार 17 जून 2026

कला और संस्कृति में लोगों और देशों को करीब लाने की अद्भुत शक्ति होती है : पीएम मोदी

एजेंसी। ब्रातिस्लावा

पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को ब्रातिस्लावा के प्रेसिडेंशियल पैलेस में वाराणसी पर आधारित एक प्रदर्शनी का अवलोकन किया। पेंटिंग प्रदर्शनी देखने के बाद पीएम मोदी ने भारत और स्लोवाकिया के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव को बताया। उन्होंने कहा कि कला और संस्कृति में लोगों और देशों को एक-दूसरे के करीब लाने की अद्भुत शक्ति होती है। इस प्रदर्शनी में हाल ही में वाराणसी की यात्रा करने वाले स्लोवाक कलाकारों की कृतियां भी शामिल थीं। मोदी ने एक्स पर अपना अनुभव साझा करते हुए लिखा- ब्रातिस्लावा में बनारस का जुड़ाव! कल ब्रातिस्लावा के प्रेसिडेंशियल पैलेस में राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी और मैंने वाराणसी पर आधारित एक शानदार प्रदर्शनी देखी, जिसमें हाल ही में शहर की यात्रा करने वाले स्लोवाक कलाकारों के कार्य भी शामिल थे। कला और संस्कृति में सचमुच लोगों को करीब लाने की अनोखी क्षमता होती है। इस प्रदर्शनी में जिन लोगों के कार्य प्रदर्शित किए गए, उन सभी को मेरी शुभकामनाएं। पीएम मोदी और स्लोवाक राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी ने चित्रों और कलाकृतियों की तारीफ की। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि प्रेसिडेंशियल पैलेस में पीएम मोदी और राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी ने स्लोवाक कलाकारों द्वारा आयोजित पेंटिंग प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मंत्रालय ने प्रदर्शनी की कुछ झलकियां भी साझा कीं। विदेश मंत्रालय के मुताबिक यह प्रदर्शनी वाराणसी शहर विषय पर आधारित थी।

G7 अब दुनिया नहीं चलाता... कनाडाई पीएम ने किया भारत की ताकत का खुलकर गुणगान

नई दिल्ली। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने जी-7 शिखर सम्मेलन में भारत की भागीदारी को बदलती वैश्विक व्यवस्था का साफ संकेत बताया है। उन्होंने कहा कि जी-7 अब अकेले दुनिया पर शासन करने या अंतरराष्ट्रीय मामलों में अपना प्रभुत्व जमाने का दावा नहीं कर सकता।

G7 अब दुनिया नहीं चलाता... कनाडाई पीएम ने किया भारत की ताकत का खुलकर गुणगान : कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा है कि फ्रांस में आयोजित हो रहे जी-7 शिखर सम्मेलन में भारत समेत उभरती शक्तियों की भागीदारी वैश्विक व्यवस्था में हो रहे परिवर्तनों को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जी-7 अब अकेले अंतरराष्ट्रीय मामलों पर प्रभुत्व स्थापित करने या दुनिया पर शासन करने का दावा नहीं कर सकता। यूरोप की छह दिवसीय यात्रा के दौरान आयरलैंड के ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन में संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री कार्नी ने कहा कि आज की दुनिया में जी-7 को अपनी पुरानी सोच से आगे निकलना होगा। भारत जैसे उभरते देशों को शामिल करना समूह की नई वास्तविकता और व्यावहारिक दृष्टिकोण को दिखाता है। कार्नी ने स्पष्ट किया कि आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य सुरक्षा और भू-राजनीतिक तनाव जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान तभी संभव है जब पारंपरिक जी-7 ढांचे से आगे जाकर व्यापक अंतरराष्ट्रीय सहयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अगर जी-7 ने कभी दुनिया पर शासन किया भी था, तो अब वह ऐसा नहीं करता और न ही ऐसा दिखावा कर सकता है।

52वां जी-7 शिखर सम्मेलन आज से शुरू : बता दें कि फ्रांस के प्रसिद्ध रिसॉर्ट शहर एवियन में मंगलवार से 52वां जी-7 शिखर सम्मेलन शुरू हो रहा है। इस बार सम्मेलन में केवल सात पारंपरिक सदस्य देशों के अलावा भारत, ब्राजील, मिस्र, केन्या और कई खाड़ी देशों के नेता भी शामिल हो रहे हैं। कार्नी ने इन अतिथि देशों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि ये राष्ट्र वैश्विक मुद्दों पर चर्चा में 'व्यापक दृष्टिकोण और समावेशी समाधान' प्रदान करेंगे, जिससे फैसले अधिक प्रभावी और प्रतिनिधित्वपूर्ण बन सकेंगे।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

ट्रंप की हां नेतन्याहू की ना ईरान की वाह-वाह

दिन समझौते पर हस्ताक्षर होने की बात कही जा रही है। इस समझौते को लेकर सारी दुनिया के देशों में एक सुखद प्रतिक्रिया देखने को मिली है। वहीं इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की प्रतिक्रिया इस समझौते को लेकर ना वाली है। जिसके कारण ईरान और अमेरिका के बीच जो समझौता हुआ है उस पर हस्ताक्षर होने के पहले ही विवादों में फंस गया है। ऐसा लगता है अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर इन दिनों शनि, राहु और केतु की क्रुद्ध दृष्टि है, जिसके कारण वह जो सोचते हैं ठीक उसके विपरीत होता है। समय और काल का प्रभाव पूरे ब्रह्मांड में रहता है, यही कारण है दुनिया के सबसे शक्तिशाली राष्ट्र अमेरिका के राष्ट्रपति को यह दिन देखना पड़ रहे हैं। वह ईरान के साथ युद्ध से बाहर निकलने के लिए अभी तक कई प्रयास कर चुके हैं। 40 बार से अधिक दफा झूठ बोल चुके हैं।

उसके बाद भी वह इस युद्ध की विभीषिका से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। हाल ही में जी7 के सम्मेलन में भी उन्हें अपने सहयोगी देशों से सहयोग नहीं मिला, जिसकी वह आशा करके जी7 के सम्मेलन में गए थे। जिस तरह से निकाह में लड़की से पूछा जाता है कि तुम निकाह के लिए राजी हो या नहीं, इस अवसर पर काजी उपस्थित रहता है लड़की यदि हां कर देती है, इसके बाद काजी साहब निकाह की रस्म अदा करते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समझौते पर इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू हां नहीं कर पाए हैं। यही वजह है कि शांति समझौते को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जो प्रयास किए गए थे वह सब निष्फल होते हुए नजर आ रहे हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री ने कहा कि इजरायल स्वतंत्र राष्ट्र है इस पर यह समझौता लागू नहीं किया जा सकता है। इजराइल अमेरिका का गुलाम नहीं है। ऐसा कहकर उन्होंने अपनी तीव्र प्रक्रिया सार्वजनिक रूप से जाहिर कर दी है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ग्रह दशा इन दिनों बड़ी खराब चल रही है। उनके साथ उनके ही विश्वासपात्र लोग विश्वासघात कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में डोनाल्ड ट्रंप समझ नहीं पा रहे हैं वह करें तो क्या करें। ईरान जैसा देश जिसके ऊपर अमेरिका और यूरोप के देशों ने पिछले 47 वर्षों से तरह-तरह के प्रतिबंध लगा रखे थे ईरान हर प्रतिबंध को झेल रहा था। उसने कभी किसी के ऊपर, कोई हमला नहीं किया। वह अमेरिका के खिलाफ ऐसा लड़ेगा यह तो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और दुनिया के किसी भी देश ने नहीं सोचा था। फरवरी माह से जो युद्ध शुरू हुआ था उसकी परिणति इस रूप में होगी यह ना तो अमेरिका ने सोचा था ना ही इजराइल ने सोचा था। इस सारे विवाद में ईरान की जैसे लॉटरी खुल गई है। ईरान की जो संपत्तियां जप्त की गईं थीं, ईरान के जो पैसे जप्त किए गए थे, उन सबको लौटाने की जिम्मेदारी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खाड़ी के देशों पर डालना चाहते हैं। अरब देशों की रक्षा अमेरिका नहीं कर पाया, अब सब ईरान के साथ सहयोग करके अपने आप को बचाने में लगे हुए हैं।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

देश के 23 राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों में जनगणना का पहला चरण पूरा

नई दिल्ली। जनगणना-2027 के तहत मकान सूचीकरण एवं आवास जनगणना (एचएलओ) का पहला चरण अब तक 23 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पूरा हो चुका है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में जनगणना का कार्य चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है। मंत्रालय के अनुसार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव, दिल्ली, गोवा, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तेलंगाना और उत्तराखंड में जनगणना-2027 का प्रथम चरण पूरा हो चुका है। महाराष्ट्र, मेघालय, राजस्थान, झारखंड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में 16 मई से 14 जून तक संचालित मकान सूचीकरण एवं आवास जनगणना का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है, जबकि पंजाब में यह प्रक्रिया 13 जून को पूरी हुई। इस बीच गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पुडुचेरी और उत्तर प्रदेश में घर-घर जाकर मकान सूचीकरण एवं आवास जनगणना का कार्य जारी है। हिमाचल प्रदेश में मंगलवार से फील्ड ऑपरेशन शुरू हो गए हैं, जो 15 जुलाई तक चलेंगे।

आधार का इस्तेमाल केवल पहचान तक सीमित रहे: सुप्रीम कोर्ट का केंद्र और राज्यों को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महत्वपूर्ण जनहित याचिका पर सुनवाई कर केंद्र सरकार, सभी राज्य सरकारों, केंद्रशासित प्रदेशों, भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) को नोटिस भेजा है। याचिका में यह सुनिश्चित करने की मांग की गई है कि आधार का उपयोग केवल पहचान के प्रमाण के रूप में करे, न कि नागरिकता, निवास, पते या जन्मतिथि के सबूत के तौर पर इसका उपयोग किया जाए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर याचिका पर सहमति जताकर संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में बताया गया है कि आधार अधिनियम, 2016 की धारा 9 स्पष्ट रूप से कहती है कि आधार नागरिकता या निवास का प्रमाण नहीं है। यूआईडीएआई के अपने दिशानिर्देश भी स्पष्ट करते हैं कि आधार केवल पहचान का सबूत है, न कि नागरिकता, पते या जन्मतिथि का सबूत है। इसके बावजूद, यह दस्तावेज व्यापक रूप से स्कूल में दाखिले, प्रॉपर्टी के लेनदेन, जन्म प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और नए वोटर रजिस्ट्रेशन (फॉर्म-6) जैसे विभिन्न कार्यों के लिए उम्र, निवास, नागरिकता और पते के सबूत के तौर पर स्वीकार किया हो रहा है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुंबई, नई दिल्ली समेत 17 ठिकानों पर ईडी का छापा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यस बैंक लोन धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मंगलवार को मुंबई, खंडाला और नई दिल्ली में एक साथ 17 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। यह छापेमारी मेसर्स सुरक्षा एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (एसएआरसीएल), मेसर्स सुरक्षा रियल्टी लिमिटेड, मेसर्स ख्याति रियल्टर्स प्रा.लि. और उनके प्रमोटरों, निदेशकों एवं कर्मचारियों के परिसरों पर की गई है। ईडी के मुताबिक ईडी की मुंबई जोनल विंग (जोनल ऑफिस-I) की टीमों द्वारा की गई इस कार्रवाई के तहत यस बैंक के एक पूर्व कर्मचारी के ठिकाने पर भी तलाशी ली गई। यह पूरा मामला वित्त वर्ष 2016-17 से 2017-18 के दौरान मेसर्स मैकस्टार मार्केटिंग प्रा.लि. और अन्य कंपनियों के यस बैंक लोन के धोखाधड़ीपूर्ण हस्तांतरण (असाइनमेंट) से जुड़ा है। ईडी की इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध से जुड़े सबूतों को इकट्ठा करना है। आरोप है कि एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनियों (एआरसी) ने यस बैंक के साथ मिलीभगत की। इन कंपनियों ने घाटे में चल रही संपत्तियों (स्ट्रेस्ड एसेट्स) पर धोखाधड़ी से कब्जा करने के लिए पैसों का हेरफेर (सर्कुलर ट्रांजैक्शन) किया। इसके अलावा नीलामी की जाने वाली संपत्तियों के कम मूल्यांकन, एनसीएलटी प्रक्रिया में लेनदारों के मतदान अधिकारों और सीआईआरपी प्रक्रिया की पारदर्शिता को प्रभावित करने के लिए बढ़ा-चढ़ाकर फर्जी दावे किए गए। ईडी इन सभी पहलुओं की गहराई से जांच कर रही है।

अल नीनो से निपटने के लिए कृषि मंत्रालय ने तैयार की रणनीति, हर हफ्ते होगी बैठक

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कृषि भवन में उच्चस्तरीय बैठक कर संभावित अल नीनो परिस्थितियों से निपटने की रणनीति की समीक्षा की। उन्होंने कपास का उत्पादन बढ़ाने, दलहन में आत्मनिर्भरता और कम बारिश वाले जिलों के लिए अग्रिम आकस्मिक योजना पर विशेष जोर दिया। बैठक में अल नीनो की संभावित स्थिति पर चर्चा करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने साफ निर्देश दिया कि जिन जिलों में कम बारिश या वर्षा में असमानता की आशंका है, वहां पहले से पूरी तैयारी की जाए। ऐसे जिलों की स्पष्ट पहचान कर राज्य सरकारों के साथ मिलकर फसलवार कंटिंजेंसी प्लान तैयार किए जाएं, ताकि किसी भी मौसमीय चुनौती की स्थिति में किसानों को तुरंत विकल्प, सलाह और सहायता उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने कहा कि पानी के संरक्षण, नमी प्रबंधन, इंटरक्रॉपिंग और वैकल्पिक फसल पैटर्न पर विशेष ध्यान देते हुए हर जोखिम वाले जिले के लिए अलग और व्यावहारिक रणनीति बनाई जाए।

चौहान ने यह भी निर्देश दिए कि जिन 9–10 राज्यों में अल नीनो का प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक पड़ सकता है, वहां के चिह्नित जिलों के जिला अधिकारियों, कृषि विभाग, केवीके और अन्य विस्तार तंत्र के साथ समन्वित बैठकें आयोजित की जाएं। इन बैठकों में जिला स्तर पर पूरी स्थिति स्पष्ट कर किसानों के बीच जागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि हर किसान को यह पता रहे कि उसके क्षेत्र के लिए कौन-सी सावधानियां और कौन-से फसल विकल्प अधिक सुरक्षित हैं। चौहान ने पत्रकारों से कहा कि खतरे को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने के बजाय, वैज्ञानिक विश्लेषण के आधार पर शांत, भरोसेमंद और समाधान-उन्मुख संदेश किसानों तक पहुंचे, यही सरकार की प्राथमिकता है। बैठक में खरीफ 2026 के लिए फसलवार लक्ष्य, बुवाई की प्रगति और राज्यवार तैयारियों की समीक्षा करते हुए कपास उत्पादन बढ़ाने पर विशेष चर्चा हुई। चौहान ने वैज्ञानिक तरीकों, सही किस्मों के चयन, अंतरफसली खेती, मल्चिंग और नमी संरक्षण जैसे उपायों को बड़े स्तर पर बढ़ावा देने पर जोर दिया, ताकि कपास की उत्पादकता और आय दोनों में सुधार हो।

पुलिस भर्ती परीक्षा अभ्यर्थियों के लिए पूर्व मध्य रेलवे ने चलाईं 30 से अधिक स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली। पुलिस भर्ती परीक्षा के दूसरे चरण में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए पूर्व मध्य रेलवे ने 16 एवं 17 जून को 30 से अधिक परीक्षा स्पेशल ट्रेनों के संचालन की व्यवस्था की है। रेलवे के अनुसार परीक्षा केंद्रों तक अभ्यर्थियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण रेलखंडों पर विशेष ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। रेलवे ने बताया कि इससे पहले 14 जून को आयोजित पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान भी अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए कुल 19 परीक्षा स्पेशल ट्रेनें चलाई गई थीं, जिनमें दानापुर मंडल द्वारा 12 तथा समस्तीपुर मंडल द्वारा 7 विशेष ट्रेनों का संचालन किया गया था। दूसरे चरण के लिए चलाई जा रही विशेष ट्रेनों में पाटलिपुत्र–किशनगंज, पटना–नरकटियागंज, पाटलिपुत्र–अररिया, पाटलिपुत्र–नौगछिया, पटना–भभुआ, पटना–गया, बक्सर–पटना, बक्सर–दानापुर, किऊल–गया, गया–किऊल, बख्तियारपुर–राजगीर, राजगीर–बख्तियारपुर, बेतिया–हाजीपुर, समस्तीपुर–सीवान, सहरसा–हाजीपुर तथा अन्य प्रमुख मार्ग शामिल हैं। पूर्व मध्य रेलवे ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए इन परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का अधिकतम लाभ उठाएं।

सोरेन सरकार का फैसला: अब जंगली जानवर के हमले में मौत पर मिलेंगे 10 लाख

रांची। झारखंड सरकार ने जंगली जानवरों के हमले से मौत होने पर मुआवजे की राशि चार लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपए करने को मंजूरी दे दी। यह फैसला सीएम हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। कैबिनेट सचिवालय की अतिरिक्त मुख्य सचिव वंदना डडेल ने बताया कि कैबिनेट ने जंगली जानवरों से होने वाले नुकसान के लिए राज्य की मुआवजा नीति में बदलाव को मंजूरी दे दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने बताया कि संशोधित नियमों के तहत, जंगली जानवरों के हमलों के कारण गंभीर रूप से घायल होने पर मिलने वाले मुआवजे को मौजूदा 1.5 लाख रुपए से बढ़ाकर दो लाख रुपए कर दिया है। वहीं, मामूली रूप से घायल होने पर मुआवजे की राशि को 25,000 से बढ़ाकर 35,000 रुपए कर दी है। इसके साथ ही हमले के कारण होने वाली स्थायी विकलांगता के मामले में मुआवजे की राशि को 3.25 लाख रुपए से बढ़ाकर 3.5 लाख रुपए कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने मुआवजे का समय पर वितरण करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया को भी मंजूरी दे दी है। वंदना डडेल ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत, मुखिया द्वारा प्रमाणन किए जाने पर मृतक के परिवार को एक लाख रुपए की तत्काल राहत राशि मिलेगी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मृत्यु प्रमाण पत्र जमा करने पर शेष नौ लाख रुपए जारी किए जाएंगे।

आरएसएस पर प्रियांक खड़गे का प्रहार कानूनी रजिस्ट्रेशन और जवाबदेही की मांग

एजेंसी। बेंगलुरु

कर्नाटक सरकार में गृह मंत्री और कांग्रेस नेता प्रियांक खड़गे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और उसके प्रमुख मोहन भागवत पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस नेता खड़गे ने आरएसएस को सांस्कृतिक संगठन मानने के साथ ही उसकी राजनीतिक जवाबदेही, पारदर्शिता और कानूनी रजिस्ट्रेशन की मांग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आरएसएस प्रमुख भागवत का जो वीडियो उनके पत्र के जवाब के रूप में सामने आया है, वह गलत है, क्योंकि उन्होंने अपना पत्र 15 जून को भेजा था, जबकि भागवत की वह बातचीत 13-14 जून की थी। कांग्रेस नेता खड़गे ने

भागवत का पलटवार, आरएसएस किसी सवाल का जवाब देने के लिए बाध्य नहीं

कहा कि आरएसएस को सांस्कृतिक संगठन होने का पूरा अधिकार है, लेकिन वह एक ही समय में व्यापक सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर दावा नहीं कर सकता कि उसका कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं है और इसकारण जनता के प्रति उसकी कोई जवाबदेही नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि भाजपा खुद आरएसएस को अपना वैचारिक जनक मानती है। गृह मंत्री खड़गे ने आरएसएस के देश-विदेश में 2500 से अधिक संबद्ध संगठनों के नेटवर्क के माध्यम से चंदा मिलने और विभिन्न राजधानियों में मुख्यालय चलाने पर सवाल उठाए। उन्होंने उल्लेख किया कि आरएसएस प्रमुख को एडवांस्ड सिक्योरिटी लाइसेंस प्रोटोकॉल मिलता है और अन्य पदाधिकारियों को भी करदाताओं के पैसे से सुरक्षा मिलती है। प्रियांक खड़गे ने कहा कि जनता को यह जानने का हक है कि क्या आरएसएस उन कानूनी मानकों का पालन करता है, जिनकी उम्मीद बाकी सभी संगठनों से होती है, और औपचारिक कानूनी मान्यता मिलने से यह विरोधाभास समाप्त हो जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर में चार नए ग्रीनफील्ड शहर विकसित किए जाएंगे, दिल्ली के पास बनेगी नमो सिटी : मनोहर लाल

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में चार नए ग्रीनफील्ड शहर विकसित किए जाएंगे और दिल्ली के आसपास एक आधुनिक सब-सिटी 'नमो सिटी' बनाई जाएगी। यह निर्णय मंगलवार को नेशनल कैपिटल रीजन प्लानिंग बोर्ड (एनसीआरपीबी) की 42वीं बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने की। बैठक में एनसीआर के विकास, पर्यावरण संरक्षण और सार्वजनिक परिवहन से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। मनोहर लाल ने बैठक के बाद पत्रकारों को बताया कि रीजनल प्लान 2041 को अगले दो महीनों में अंतिम रूप देकर लागू कर दिया जाएगा। एनसीआर की मौजूदा सीमाओं में कोई बदलाव नहीं होगा। योजना के तहत हर राज्य में एक बड़ा शहर ग्रीनफील्ड

'नमो नोड' के रूप में विकसित किया जाएगा। दिल्ली के आसपास बनने वाली 'नमो सिटी' को अत्याधुनिक शहरी सुविधाओं और बेहतर बुनियादी ढांचे से लैस किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एनसीआर का क्षेत्रफल लगभग 55,000 वर्ग किलोमीटर है जिसमें 32 जिले शामिल हैं। इस क्षेत्र में विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने के लिए नई नीतियां लागू की जाएंगी। बैठक में अरावली क्षेत्र के संरक्षण पर भी चर्चा हुई। मौजूदा जंगलों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और ग्रीन कवर बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बैठक में प्रदूषण नियंत्रण पर भी अहम निर्णय लिए गए। बीएस-1, बीएस-2 और बीएस-3 वाहनों को सड़कों से हटाने और बीएस-6 मानक वाले वाहनों को बढ़ावा देने पर सहमति बनी। इसके लिए 'परिवर्तन योजना' लागू की जाएगी, जिसके तहत पुराने वाहनों को स्क्रैपिंग के लिए भेजा जाएगा और नए वाहनों की खरीद पर प्रोत्साहन दिया जाएगा। बीएस-3 वाहन 2010 से चल रहे हैं और अब 16 वर्ष पुराने हो चुके हैं, इसलिए इन्हें चरणबद्ध तरीके से सड़कों से हटाया जाएगा। यातायात दबाव कम करने और बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए मेट्रो और नमो भारत रेल नेटवर्क के विस्तार पर भी जोर दिया गया।

कैलिफ़ोर्निया में बी-52 बॉम्बर क्रैश, 8 की दर्दनाक मौत

कैलिफ़ोर्निया। अमेरिका के कैलिफ़ोर्निया राज्य से मंगलवार सुबह एक भीषण विमान हादसे की खबर सामने आई है, जिसने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। अमेरिकी वायुसेना का सबसे भरोसेमंद और रणनीतिक विमानों में से एक, बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस बॉम्बर, दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया स्थित एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस के पास उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दर्दनाक हादसे में विमान में सवार सभी 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जिनमें अमेरिकी सेना के जवान, इंजीनियर और तकनीशियन शामिल थे। वायुसेना के अधिकारियों के मुताबिक, यह दुर्घटना सोमवार सुबह करीब 11:20 बजे (स्थानीय समयानुसार) लॉस एंजिल्स के उत्तर में स्थित एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस पर हुई। विमान एक नियमित परीक्षण मिशन पर था। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान नियंत्रण खो बैठा और जमीन से टकराते ही आग का गोला बन गया। भीषण हादसे में विमान के परखच्चे उड़ गए और मलबा धूं-धूं कर जलता नजर आया। घटना के बाद सामने आए फुटेज में देखा जा सकता है कि हादसे के बाद विमान का कोई भी हिस्सा साबुत नहीं बचा था, रेगिस्तान में सिर्फ जलता हुआ मलबा दिख रहा था।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

पवन कल्याण से शिवराज सिंह की मुलाकात, अनंतपुर से एक जुलाई को वीबी जी राम जी का करेंगे शुभारंभ

लोकतंत्र की शानः नई दिल्ली। आंध्रप्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण ने मंगलवार को कृषि भवन में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच विभिन्न विषयों पर सार्थक संवाद भी हुआ।मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण बताया कि उन्होंने शिवराज सिंह चौहान से अनुरोध किया है कि वे अनंतपुर में वीबी जी राम जी योजना की शुरुआत करें। उन्होंने कहा कि इस योजना की राजपत्र अधिसूचना जारी करने वाला आंध्र प्रदेश पहला बड़ा राज्य है।पवन कल्याण ने बताया कि शिवराज सिंह चौहान ने 1 जुलाई को अनंतपुर आने पर सहमति जताई है। उन्होंने यह भी बताया कि आंध्र प्रदेश में मजदूरों की पहचान के लिए फेशियल रिकग्निशन सिस्टम शुरू किया गया है। इसकी जानकारी भी उन्होंने केंद्रीय मंत्री को दी।

टीएमसी की बागी सांसद रचना बनर्जी ने की भूपेन्द्र यादव से मुलाकात, कहा- संसदीय क्षेत्र का विकास उनकी जिम्मेदारी

लोकतंत्र की शानः नई दिल्ली। हाल ही में विदेश से लौटीं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद रचना बनर्जी ने दूसरे बागी सांसदों के साथ 'नेशनल सिटिज़न्स पार्टी ऑफ़ इंडिया' में विलय के लिए दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर कर दिए। मंगलवार को वह भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के साथ केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर पहुंचीं और एनसीपी में विलय के बारे में अपनी सहमति जाहिर की। मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में रचना बनर्जी ने कहा कि वे ममता बनर्जी का हमेशा सम्मान करती हैं, लेकिन अपने संसदीय क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि वे यहां दूसरे दल में विलय से जुड़े दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने आईं हैं। उन्होंने कहा कि वे दीदी ममता बनर्जी के खिलाफ विद्रोह नहीं कर सकती और मेरे मन में उनके लिए हमेशा सम्मान रहेगा। हमें वोट दीदी की वजह से मिले, क्योंकि वह पार्टी का चेहरा थीं।रचना बनर्जी ने कहा कि जनता ने उन्हें विकास कार्यों के लिए चुना है और इसी उद्देश्य से वह काम करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्षों के शासनकाल के दौरान विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में कई तरह की बाधाओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ा।उन्होंने स्पष्ट किया कि ममता बनर्जी के प्रति उनके सम्मान में कोई कमी नहीं है, लेकिन अपने क्षेत्र के लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।इस बीच लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों को अलग संसदीय गुट के रूप में मान्यता देने पर फैसला करने से पहले दोनों पक्षों की राय लेने की बात कही है। लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट को भी अपना पक्ष रखने के लिए पत्र भेजा है। बताया जा रहा है कि तृणमूल के बागी सांसदों ने अलग पहचान और संसदीय सुविधाओं की मांग की है। वहीं ममता बनर्जी गुट के सांसदों ने नेतृत्व ने इस कदम का विरोध किया है। अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर किसी भी अलग गुट को मान्यता नहीं देने का अनुरोध किया है।

गोयल ने उद्यम पूंजी कोषों, कंपनियों से भारत में निवेश जल्द शुरू करने का किया आह्वान

लोकतंत्र की शानः नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को निवेशकों, कंपनियों और उद्यम पूंजी (वीसी) कोषों से कहा कि वे भारत में अब सक्रियता के साथ निवेश शुरू करें और इसमें अधिक विलंब न करें। केंद्रीय वाणिज्य एवं मंत्री ने फ्रांस के नीस में आयोजित कार्यक्रम 'भारत इनोवेट्स 2026' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने कहा कि भारत का निवेश परिवेश तैयार है, घरेलू बाजार विशाल है और सरकार निवेशकों को बाजार अवसरों से जोड़ने में मदद करेगी, जबकि एक सहयोगी नीतिगत ढांचा पहले से मौजूद है। पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में लिखा है कि, फ्रांस के नीस मैसेना में मशहूर गैलरीज लाफायेट में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लॉन्च करते हुए बहुत खुशी हो रही है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत के वर्ल्ड-क्लास डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म को फ्रांस के प्रमुख रिटेल डेस्टिनेशन में से एक तक ले जाना, यूपीआई के ग्लोबल विस्तार की दिशा में एक और अहम कदम है।उन्होंने कहा कि लायरा कलेक्ट और एनआईपीएल की भागीदारी के साथ, यह पहल बड़े पैमाने पर भरोसेमंद, आसान और इंटरऑपरेबल डिजिटल समाधान देने की भारत की क्षमता को दिखाती है। यह लॉन्च भारत और फ्रांस के बीच आर्थिक और तकनीकी संबंधों को और मजबूत करता है, जो हमारी रणनीतिक साझेदारी की बढ़ती गहराई और महत्वाकांक्षा को दर्शाता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि सोफिया एंटीपोलिस नए विचारों और इनोवेशन से भरा हुआ था। वहां कुछ शानदार युवा भारतीयों से मुलाकात हुई, भविष्य की नई तकनीक वाले रोमांचक प्रोटोटाइप देखे और भविष्य की बड़ी कामयाबियों को आकार देने के लिए भारत-फ्रांस के बीच सहयोग की अपार संभावनाओं को समझा।

दिल्ली पुलिस के अधिकारी ने व्यक्ति को खुदकुशी करने से रोका

लोकतंत्र की शानः नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की पीसीआर इकाई में तैनात एक उपनिरीक्षक ने महिपालपुर फ्लाईओवर पर एक व्यक्ति को आत्महत्या करने से रोका। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची, और पाया कि एक व्यक्ति फ्लाईओवर के किनारे खतरनाक तरीके से खड़ा है। उपनिरीक्षक अनिल शर्मा ने उससे बात की और उसका विश्वास जीता। अधिकारी ने बताया कि शर्मा लगातार उससे बात करते रहे और इस दौरान उन्होंने व्यक्ति से फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। एक अधिकारी ने बताया कि बातचीत के दौरान पीसीआर कर्मचारियों ने व्यक्ति को उसका मोबाइल फोन देकर उसका ध्यान भटकाया तथा अवसर का लाभ उठाते हुए उसे तेजी से किनारे से खींच सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया।

साइबर ठगों को बैंक खाते सप्लाई करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 10 आरोपी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। पूर्वी जिला साइबर थाना पुलिस ने देशभर में साइबर ठगी के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 10 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से 11 पीओएस मशीनें, 27 चेक बुक, 17 एटीएम कार्ड और 12 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह बेरोजगार और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को नौकरी का झांसा देकर उनके नाम पर बैंक खाते खुलवाता था और बाद में इन खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम को ठिकाने लगाने में करता था।गिरफ्तार आरोपितों की पहचान विजय कुमार (31), प्रदीप कुमार (42), यतेंद्र कुमार (23), मुकेश (24), विनेश (37), गुरबाज सिंह (27), अमन (27), सूरज यादव (24), गौरव नाहर (22) और लक्ष्मण (33) के रूप में हुई है। आरोपित दिल्ली, हरियाणा और उप्र के विभिन्न इलाकों के रहने वाले हैं। पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने मंगलवार को बताया कि इस संबंध में साइबर थाना पूर्वी जिले में एफआईआर संख्या 49/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 112(2) और 318(4) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।पुलिस के अनुसार, मामले का खुलासा उस समय हुआ जब केरल निवासी एक महिला से साइबर ठगी कर दो लाख रुपये की रकम हड़प ली गई। जांच में पता चला कि ठगी की यह रकम यस बैंक के एक खाते में जमा कराई गई थी। वित्तीय लेनदेन की जांच के दौरान सामने आया कि संबंधित बैंक खाता एक "म्यूल अकाउंट" था, जिसका इस्तेमाल साइबर अपराध से अर्जित रकम को प्राप्त करने और आगे विभिन्न खातों में ट्रांसफर करने के लिए किया जा रहा था।मामले की जांच के लिए महिला उपनिरीक्षक रिंकी, हेड कांस्टेबल कुलदीप, हेड कांस्टेबल पारस और महिला हेड कांस्टेबल पूनम की टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण, बैंक खातों की जांच, मोबाइल फोन डेटा विश्लेषण और फील्ड वेरिफिकेशन किया।जांच के दौरान खाते के धारक योगेंद्र कुमार, निवासी जनकपुरी से पूछताछ की गई। योगेंद्र ने बताया कि उसकी मुलाकात विजय नामक व्यक्ति से हुई थी, जिसने नौकरी दिलाने का झांसा देकर उससे बैंक खाता खुलवाया था। बाद में उसे पता चला कि खाते का इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम जमा करने में किया जा रहा है। इसके बाद उसने गिरोह से दूरी बना ली। पुलिस ने उसके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए उसे पाबंद किया। इसके बाद जांच का दायरा बढ़ाया गया और एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ, जो साइबर अपराधियों को बैंक खाते उपलब्ध कराने का काम कर रहा था। साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 10 आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

ऐसे करता था गिरोह काम: पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह बेरोजगार युवाओं और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को नौकरी और आसान कमाई का लालच देता था। इनके नाम पर बैंक खाते खुलवाने के बाद आरोपी खाते की पूरी जानकारी, एटीएम कार्ड, चेक बुक, रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर और इंटरनेट बैंकिंग की सुविधा अपने कब्जे में ले लेते थे। इसके बाद इन खातों को देश के अलग-अलग राज्यों में सक्रिय साइबर ठगों को उपलब्ध कराया जाता था। ठगी की रकम इन्हीं खातों में जमा कराई जाती थी और पीओएस मशीनों, एटीएम कार्ड तथा मोबाइल फोन की मदद से रकम को विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर निकाला जाता था, ताकि असली अपराधियों की पहचान छिपाई जा सके। पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी व्यक्ति को अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, चेक बुक, ओटीपी या इंटरनेट बैंकिंग की जानकारी न दें। ऐसा करना साइबर अपराध को बढ़ावा देने के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई का कारण भी बन सकता है। पुलिस अब इस गिरोह से जुड़े अन्य साइबर ठगों और लाभार्थियों की पहचान करने में जुटी है।

श्रीराम मंदिर चढ़ावे की चोरी के मामले की उच्च न्यायालय के सिटिंग जज से समयबद्ध जांच हो- कांग्रेस

» दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो
» 'भाजपा-आरएसएस ने करोड़ों रामभक्तों की आस्था के साथ बड़ा छल किया'

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः कांग्रेस ने अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामले में भाजपा-आरएसएस को कटघरे में खड़ा करते हुए इस पूरे मामले की इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सिटिंग जज द्वारा समयबद्ध जांच करवाने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा ने कहा कि भाजपा-आरएसएस ने देश के करोड़ों रामभक्तों की आस्था के साथ बड़ा छल किया है और धर्म के नाम पर एक संगठित लूट को अंजाम दिया है। अजय राय ने कहा कि कांग्रेस को इस मामले में उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा गठित की गई एसआईटी पर भरोसा नहीं है। उन्होंने बताया कि एसआईटी में जांच की जिम्मेदारी विजय विश्वास पंत को दी गई है, वह इलाहाबाद महाकुंभ में मची भगदड़ के दौरान वहां कमिश्नर थे और खुद भगदड़ से जुड़ी जांच में फंसे हुए हैं। ऐसे में यह जांच सिर्फ एक खानापूर्ति और लीपापोती का प्रयास है। उन्होंने मांग की कि एसआईटी की रिपोर्ट एक हफ्ते के भीतर सार्वजनिक होनी चाहिए। अजय राय ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि में हुए इस महाघोटाले के लिए सीधे तौर पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि पांच साल से अधिक समय तक प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव रहे रिटायर्ड ब्यूरोक्रेट नृपेंद्र मिश्र को श्रीराम मंदिर निर्माण समिति का अध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा ट्रस्ट में शामिल गोपाल राव पहले से ही विवादित रहे हैं। उन्होंने कहा कि चंपत राय, अनिल मिश्रा समेत आरएसएस की पृष्ठभूमि से आने वाले लोगों को ट्रस्ट में पद दिए गए थे। अब इस मामले में सरकार ने एसआईटी गठित कर मान लिया है कि बहुत ही जबरदस्त तरीके से गड़बड़ी हुई है।

संजय सिंह ने ईडी की कार्रवाई को लेकर केंद्र पर साधा निशाना

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और अन्य केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है। संजय सिंह ने पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि पार्टी की गोवा प्रदेश इकाई के सह-प्रभारी दीपक सिंगला और उनके परिवार के लोगों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई राजनीतिक प्रतिशोध का हिस्सा है। जिस मामले में कार्रवाई हो रही है, उसकी शुरुआत वर्ष 2014 में हुई थी। उस मामले में जांच पूरी होने के बाद आरोप पत्र भी दाखिल किया जा चुका है। मुकदमे की प्रक्रिया लगभग पूरी होने के बावजूद लगातार छापेमारी और गिरफ्तारियां की जा रही हैं।सिंह ने आरोप लगाया कि दीपक सिंगला के भाई रमन सिंगला, उनके रिश्तेदारों और पार्टी से जुड़े कुछ कार्यकर्ताओं के यहां भी ईडी की ओर से छापेमारी की गई है। सिंह ने कहा कि ईडी को पार्टी के शीर्ष नेताओं के खिलाफ कुछ नहीं मिला, इसलिए अब छोटे कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को निशाना बनाया जा रहा है। सरकार ईडी का इस्तेमाल कर लोकतांत्रिक संस्थाओं और विपक्षी दलों पर दबाव बना रही है। ईडी के जरिए आआपा संयोजक अरविंद केजरीवाल, पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र कुमार जैन और स्वयं उन्हें जेल भेजा गया। जब जांच एजेंसियों को पार्टी नेताओं के खिलाफ ठोस सबूत नहीं मिला, तो अब छोटे नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है।

किशाऊ बांध परियोजना में हिमाचल को मिली बड़ी सफलता, आठ वर्ष पुराना वित्तीय विवाद सुलझाः मुख्यमंत्री

» परियोजना के विद्युत घटक पर होने वाली 2,000 करोड़ रुपये की लागत लाभान्वित राज्य करेंगे वहन
» परियोजना के पूरा होने के बाद हिमाचल को हर वर्ष 100 करोड़ यूनिट बिजली मिलेगी

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने किशाऊ बांध परियोजना में प्रदेश के हितों की रक्षा करते हुए एक और मील पत्थर हासिल किया है। मुख्यमंत्री के सतत प्रयासों से लगभग 15,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से निर्मित होने वाली 422 मेगावाट क्षमता की किशाऊ बांध परियोजना के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। यह परियोजना टौंस नदी पर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की सीमा पर प्रस्तावित है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आज नई दिल्ली में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश हित की मजबूती से पैरवी की और पिछले आठ वर्षों से परियोजना की वित्तीय लागत वहन करने से संबंधित गतिरोध को समाप्त करने में बड़ी सफलता हासिल की है। भारत सरकार ने परियोजना के जल घटक के रूप में लाभान्वित होने वाले राज्यों दिल्ली, राजस्थान और हरियाणा द्वारा हिमाचल प्रदेश के हिस्से के विद्युत घटक के रूप में होने वाली लगभग 2,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत को वहन करने पर सैद्धांतिक सहमति प्रदान की है। मुख्यमंत्री के दृढ़ प्रयासों के फलस्वरूप प्रदेश को होने वाला वित्तीय बोझ कम होगा, जबकि पूर्व की सरकार ऐसा करने में सफल नहीं हो पाई थी। उन्होंने कहा कि पूर्व सरकार ने राज्य के हिस्से के रूप में 800 करोड़ रुपये प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने प्रदेश के सीमित संसाधनों को ध्यान में रखते हुए प्रदेश हित में इसे स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि परियोजना के जल घटक के लिए भारत सरकार 90 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध करवा रही है, इस स्थिति में विद्युत घटक के लिए इसी प्रकार की सहायता न मिलना अनुचित था।

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद ने देश भर में अमानवीय और गैर-कानूनी कार्रवाइयों को रोकने की मांग की

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के सीनियर रहनुमाओं ने यहाँ अपने मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने विध्वंसक कार्रवाई, हाल ही में घोषित अमेरिका-ईरान शांति समझौते, राज्यसभा चुनावों की निष्पक्षता और पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद की स्थिति को लेकर चिंताएं जाहिर कीं। मीडिया से बात करते हुए जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के उपाध्यक्ष मलिक मोतसिम खान ने दिल्ली में चल रहे विध्वंसक अभियानों की कड़ी निंदा की क्योंकि ये बिना उचित कानूनी प्रक्रिया और पुनर्वास की सही योजनाओं के चलाए जा रहे हैं। उन्होंने ऐसी कार्रवाइयों को बेहद अमानवीय और मौलिक अधिकारों व मानवीय गरिमा का उल्लंघन बताया। मलिक मोतसिम खान ने कहा, "पिछले कुछ हफ्तों में, दिल्ली, बांद्रा, फ़रीदाबाद, वीरमगाम (गुजरात), गोरेगांव (महाराष्ट्र), वाराणसी, संभल, जयपुर, भयंदर, पीसीएमसी, इटावा आदि में तोड़फोड़ अभियान चलाया गया। पिंपरी चिंचवड़ में अधिकारियों ने कई धार्मिक ढांचों को नोटिस जारी किए और देर रात चलाए गए एक ऑपरेशन के दौरान उनमें से कईओं को गिरा दिया। सूरत के नासिर नगर में तीन दिनों में 106 घर गिरा दिए गए और जयपुर में सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत नूरानी मस्जिद को गिरा दिया गया।"

सतीश उपाध्याय ने दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष का पदभार संभाला, नए सदस्यों ने ली शपथ

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक सतीश उपाध्याय ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के उपाध्यक्ष के रूप में मंगलवार को पदभार ग्रहण कर लिया। वहीं विधायक अजय महावर, मनोज शौकीन और दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड के सदस्य राजेश गोयल ने डीजेबी के सदस्य के रूप में शपथ ली।इस दौरान भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज, डीजेबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सज्जन सिंह यादव, सदस्य (वित्त) अमन गुप्ता सहित कई गण्यमान्य उपस्थित रहे। सभी ने उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय और अन्य सदस्यों को पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर वक्ताओं ने विश्वास जताया कि नए नेतृत्व के मार्गदर्शन में डीजेबी राजधानी में जल आपूर्ति, सीवरेज प्रबंधन और नागरिक सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने की दिशा में कार्य करेगा।उल्लेखनीय है कि डीजेबी का गठन 30 मार्च 1998 को किया गया था, जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में जल आपूर्ति, अपशिष्ट जल/सीवेज के संग्रहण, उपचार और निपटान के लिए उत्तरदायी है। इससे पूर्व, उपरोक्त कार्य दिल्ली जल आपूर्ति एवं सीवेज निपटान उपक्रम के अधीन थे।

रामा रोड हत्या का मामला सुलझाः भाई और भाभी ने की थी अमित की हत्या

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले की मोती नगर थाना पुलिस ने रामा रोड स्थित फैक्टरी के बाहर मिले अज्ञात शव के हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए मृतक के सगे भाई और भाभी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वैज्ञानिक जांच, तकनीकी विश्लेषण और 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद इस हत्या के मामले को सुलझाया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान हरियाणा के पलवल निवासी गोपाल (32) और उसकी पत्नी सोमा उर्फ सीमा (35) के रूप में हुई है। दोनों को 15 जून को रामा रोड स्थित शिव बस्ती की खड्डेवाली झुग्गी के पास रेलवे लाइन के नजदीक से गिरफ्तार किया गया।पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी. स्वामी ने मंगलवार को बताया कि , चार अप्रैल को रामा रोड स्थित एक फैक्टरी के बाहर सफेद रंग का एक संदिग्ध प्लास्टिक का बोरा मिलने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बोरे को खोला तो उसके अंदर दो गद्दों और दो कंबलों में लिपटा 40 से 42 वर्षीय व्यक्ति का सड़ा-गला शव मिला। शव के दोनों पैर मोबाइल चार्जर की केबल से बंधे हुए थे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। जांच में मृतक के सिर पर गंभीर चोट और गला दबाने के निशान मिले। हायॉइड हड्डी टूटने की पुष्टि होने पर डॉक्टरों ने मौत का कारण सिर पर वार और गला दबाकर हत्या बताया।शुरुआती जांच में मृतक की पहचान नहीं हो सकी। इसके बाद पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर में 200 से अधिक ह्यू एंड क्राई नोटिस जारी किए और 300 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान एक ई-कार्ट संदिग्ध मिली, जिसके चालक कासिम से पूछताछ की गई। उसकी निशानदेही पर दो मजदूरों की पहचान हुई, जिन्होंने बताया कि उन्हें लोनी के इंद्रापुरी स्थित एक मकान से गद्दे और कंबल शिफ्ट करने के लिए बुलाया गया था। पुलिस टीम ने जब लोनी स्थित मकान की फॉरेंसिक जांच कराई तो वहां से खून से सने नमूने बरामद हुए। मृतक के हाथ पर 'अमित-किरण' का टैटू मिला, जिसके आधार पर उसकी पहचान अमित कुमार के रूप में हुई। जांच में सामने आया कि आरोपित गोपाल मृतक अमित का सगा भाई है। वारदात के बाद गोपाल और उसकी पत्नी किराये का मकान खाली कर फरार हो गए थे। पुलिस ने सीडीआर, आईएमईआई ट्रैकिंग और आधार डाटा की मदद से गाजियाबाद, पलवल, कैथल, नजफगढ़, हाथरस, एटा और पश्चिम बंगाल के हुगली में छापेमारी की। लगातार ठिकाने बदल रहे आरोपितों को आखिरकार स्थानीय खुफिया सूचना और तकनीकी निगरानी के आधार पर दबोच लिया गया। पुलिस के अनुसार, हत्या के पीछे की वजह, वारदात में इस्तेमाल सामान और अन्य साक्ष्यों को जुटाने के लिए जांच जारी है। आरोपित गोपाल को एक दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है, जबकि सोमा उर्फ सीमा को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा, नीट अभ्यर्थियों को बस किराये में मिलेगी 50 % छूट

लोकतंत्र की शानः लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी मोहर्रम को लेकर कड़े निर्देश देते हुए कहा है कि यह मातम का अवसर है, शक्ति प्रदर्शन का नहीं। मोहर्रम के दौरान किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र प्रदर्शन, नई परंपरा की शुरुआत तथा कानफोड़ू डीजे, ढोल-ताशों के अनियंत्रित प्रयोग की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने शांति भंग करने के प्रयासों पर कठोरतम कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वहीं, 21 जून को आयोजित होने वाली नीट परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में प्रवेश पत्र दिखाने पर किराये में 50 प्रतिशत छूट देने की घोषणा भी की। मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश की कानून-व्यवस्था, आगामी त्योहारों, राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) तथा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक मोहर्रम की व्यवस्थाओं को लेकर पहले से संवाद स्थापित करें और यह सुनिश्चित करें कि किसी भी जिले में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ की घटना न होने पाए। पूर्व की घटनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कानफोड़ू डीजे, ढोल एवं ताशों के अनियंत्रित उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण रखा जाए। उन्होंने कहा कि मोहर्रम के जुलूसों में किसी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन नहीं होना चाहिए। साथ ही किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचाव के लिए ताजियों की ऊंचाई निर्धारित मानकों के अनुरूप रखी जाए तथा 10 से 12 फीट से अधिक ऊंची ताजियों की अनुमति न दी जाए। उन्होंने कहा कि सभी की आस्था का सम्मान किया जाए, लेकिन नई परंपरा का सृजन किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर नगर पालिका हसनपुर में लगा स्वास्थ्य शिविर, 120 मरीजों को मिला लाभ

लोकतंत्र की शान : संवाददाता सतीश चंद्र राणाः हसनपुर / अमरोहा : केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हसनपुर नगर पालिका में शिविर आयोजित किया जनकल्याण एवं जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सकों की टीम ने 120 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाएं उपलब्ध कराईं। इसके अलावा दृष्टि संबंधी समस्याओं से जूझ रहे बुजुर्गों को निःशुल्क चश्मों का वितरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने आमजन को केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य, शिक्षा और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने कहा कि इस प्रकार के शिविर आम जनता को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस मोके पर अधिशासी अधिकारी विजय कुमार, सीएचसी प्रभारी डॉ. दुर्वेंद्र सिंह, मुकेश गुप्ता, सचिन गुप्ता, नगर पालिका के सभासदगण, आदि उपस्थित रहे।

बृजघाट में अमावस्या स्नान पर उमड़ा आस्था का सैलाब, लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई गंगा में डुबकी

लोकतंत्र की शान : मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्माः मंडल मुरादाबाद/गजरौला/मुरादाबाद। अमावस्या के पावन अवसर पर जनपद के प्रमुख तीर्थ स्थल बृजघाट में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। तड़के सुबह से ही गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया और पूरे दिन "हर-हर गंगे" तथा "जय मां गंगे" के जयकारों से घाट गूंजते रहे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अमावस्या स्नान के लिए मुरादाबाद, अमरोहा, संभल सहित आसपास के जनपदों से लाखों श्रद्धालु बृजघाट पहुंचे। श्रद्धालुओं ने गंगा नदी में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया तथा अपने परिवार की सुख-समृद्धि और देश की खुशहाली की कामना की। अमावस्या पर गंगा स्नान का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है, जिसके चलते हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए। घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात रहा तथा यातायात व्यवस्था को भी सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए। श्रद्धालुओं ने प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना की। पूरे दिन गंगा घाटों पर धार्मिक आस्था, श्रद्धा और भक्ति का वातावरण बना रहा।

नजीबाबाद में बढ़ रही बाइक चोरी की घटनाएं, व्यापारियों और नागरिकों में दहशत

» पुलिस ने 2 आरोपी का चालान कर जेल भेज दिया है और साथ ही बाइक भी बरामद करली है रामपुरा चौकी पर तैनात अवदेश शर्मा की टीम ने किया खुलासा

लोकतंत्र की शानः खिज़र अहमद

नजीबाबाद। नगर क्षेत्र में लगातार बढ़ रही बाइक चोरी की घटनाओं ने आम नागरिकों, व्यापारियों और युवाओं की चिंता बढ़ा दी है। पिछले कुछ महीनों में शहर के विभिन्न इलाकों से मोटरसाइकिल चोरी होने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिससे लोगों में असुरक्षा की भावना पैदा हो रही है। शहर के बाजारों, सार्वजनिक स्थलों, स्टेडियम ग्राउंड, अस्पतालों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों से लगातार मोटरसाइकिलें चोरी होने की खबरें सामने आ रही हैं। चोर इतने बेखौफ हो चुके हैं कि दिनदहाड़े भी वारदातों को अंजाम देने से नहीं हिचक रहे। कई मामलों में सीसीटीवी कैमरों में संदिग्ध गतिविधियां कैद होने के बावजूद चोरी की घटनाएं पूरी तरह थम नहीं पा रही हैं। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि शहर में बढ़ती चोरी की घटनाओं के कारण ग्राहकों और दुकानदारों दोनों में डर का माहौल है। लोग अपनी गाड़ियां खड़ी करने से पहले कई बार सोचने को मजबूर हैं। वहीं युवाओं का कहना है कि मेहनत की कमाई से खरीदी गई बाइकें चंद मिनटों में गायब हो रही हैं और अपराधी कानून के डर से मुक्त दिखाई दे रहे हैं। हाल ही में स्टेडियम ग्राउंड के बाहर भी लगातार बाइक चोरी की घटनाएं सामने आई थीं, जिसके बाद प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के बजाय स्टेडियम पर ही ताला लगवा दिया। इस फैसले ने भी शहर में नई बहस को जन्म दे दिया है। लोगों का मानना है कि सार्वजनिक स्थानों को बंद करना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि अपराधियों के हौसले बढ़ाने जैसा है। नगरवासियों का कहना है कि यदि शहर में नियमित गश्त बढ़ाई जाए, प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी मजबूत की जाए और वाहन चोर गिरोहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाए, तो इन घटनाओं पर काफी हद तक अंकुश लगाया जा सकता है। नजीबाबाद में बढ़ती बाइक चोरी की घटनाएं अब केवल पुलिस रिकॉर्ड का हिस्सा नहीं रह गई हैं, बल्कि यह शहर की कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर रही हैं। नागरिकों की मांग है कि चोरी की घटनाओं का जल्द खुलासा कर अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा जाए, ताकि लोगों का भरोसा दोबारा कायम हो सके। लगातार हो रही बाइक चोरियों ने यह साफ कर दिया है कि नजीबाबाद में वाहन चोर सक्रिय हैं और अब उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरूरत पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है।

पैसों के लेन-देन को लेकर दो पक्षों में संघर्ष, युवक घायल; मारपीट का वीडियो वायरल

लोकतंत्र की शान , संवाददाता सतीश चंद्र राणा

हसनपुर/अमरोहा। हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के चामुंडा मोहल्ले में पैसों के लेन-देन को लेकर दो पक्षों के बीच हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के समय मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए। इस दौरान किसी राहगीर ने मारपीट की घटना का वीडियो अपने मोबाइल में कैद कर लिया। वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे पर लाठियां चलाते दिखाई दे रहे हैं। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हसनपुर कोतवाली प्रभारी राजेश तिवारी ने बताया कि वायरल वीडियो का संज्ञान लिया गया है। घटना में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

नजीबाबाद में साइबर सुरक्षा को लेकर पुलिस सतर्क, जन सेवा केंद्र संचालकों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

लोकतंत्र की शानः खिज़र अहमद

नजीबाबाद। क्षेत्राधिकारी नजीबाबाद ने थाना नजीबाबाद परिसर में जन सेवा केंद्र संचालकों एवं कैश कलेक्शन एजेंटों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित कर साइबर अपराधों की रोकथाम एवं नकदी की सुरक्षा को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान क्षेत्राधिकारी ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर ठगी और ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। ऐसे में जन सेवा केंद्र संचालकों एवं कैश कलेक्शन एजेंटों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने सभी संचालकों को सतर्क रहते हुए ग्राहकों के बैंकिंग एवं व्यक्तिगत विवरणों की गोपनीयता बनाए रखने तथा किसी भी संदिग्ध लेन-देन पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। क्षेत्राधिकारी ने नकदी के सुरक्षित रखरखाव, कैश ट्रांसपोर्टेशन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों तथा साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे नए तरीकों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति की गतिविधि संदिग्ध प्रतीत होती है या किसी प्रकार की साइबर ठगी की जानकारी प्राप्त होती है तो उसकी सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस अथवा साइबर हेल्पलाइन पर दी जाए। बैठक में उपस्थित संचालकों एवं एजेंटों को साइबर जागरूकता बढ़ाने, आम नागरिकों को ऑनलाइन ठगी से बचाव के प्रति जागरूक करने तथा पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने का भी आह्वान किया गया। पुलिस अधिकारियों ने विश्वास दिलाया कि साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस लगातार सक्रिय है तथा जन सहयोग से इस अभियान को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा।

साहनपुर में लगा विशाल निःशुल्क नेत्र जांच शिविर, सैकड़ों लोगों ने उठाया लाभ

जन सेवा करना मुझे बहुत पसंद खुर्शीद मंसूरी

लोकतंत्र की शानः खिज़र अहमद

साहनपुर। क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पंचायत साहनपुर में एक विशाल निःशुल्क नेत्र चिकित्सा एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष मो. खुर्शीद मंसूरी के आवास पर आयोजित इस शिविर में हंस हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सैकड़ों मरीजों की आंखों की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। शिविर के दौरान सुबह से ही मरीजों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। दूर-दराज के गांवों और कस्बों से पहुंचे लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. आरिफ एवं डॉ. रविकांत ने मरीजों की विस्तृत जांच कर आंखों से संबंधित समस्याओं के उपचार और बचाव के बारे में जानकारी दी। शिविर में जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयों के साथ-साथ चश्मों का भी वितरण किया गया। चिकित्सकों ने लोगों को आंखों की नियमित जांच कराने और किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर तुरंत विशेषज्ञ से संपर्क करने की सलाह दी। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष मो. खुर्शीद मंसूरी ने कहा कि समाज के हर वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए ऐसे चिकित्सा शिविर बेहद लाभकारी साबित होते हैं, जिससे उन्हें बिना किसी खर्च के विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं मिल जाती हैं। उन्होंने हंस हॉस्पिटल की टीम और सभी चिकित्सकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी जनहित में इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कराया जाता रहेगा, ताकि क्षेत्र के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। मरीजों ने निःशुल्क जांच, दवाइयां एवं चश्मे मिलने पर खुशी जताते हुए आयोजकों और चिकित्सकों का धन्यवाद किया। स्वास्थ्य सेवा के इस प्रयास को क्षेत्रवासियों ने सराहनीय बताते हुए ऐसे आयोजनों को समय-समय पर आयोजित करने की मांग की।

मोहर्रम : ग़म-ए-हुसैन, इंसानियत और हक़ की बुलंद आवाज़

लोकतंत्र की शानःसैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल/सिरसी इमाम-ए-जुमा सिरसी मौलाना सैय्यद हसीन अख्तर ज़ैदी मेरठी मोहर्रम इस्लामी वर्ष का पहला महीना होने के साथ-साथ इंसानियत, सब्र, कुर्बानी, इख़्लास और हक़ की बुलंद आवाज़ का महीना है। शिया मुसलमानों के लिए यह महीना ग़म-ए-हुसैन (अ.) का महीना है, जिसमें कर्बला के मैदान में पेश की गई उस महान कुर्बानी को याद किया जाता है जिसने पूरी मानवता को जुल्म के सामने न झुकने और सत्य व न्याय के लिए हर बलिदान देने का संदेश दिया। सन 61 हिजरी (680 ईस्वी) में कर्बला की सरज़मीन पर पैग़म्बर-ए-इस्लाम हज़रत मुहम्मद (स.) के नवासे, सरदार-ए-जन्नत हज़रत इमाम हुसैन (अ.) ने अपने अहलेबैत (अ.) और 72 वफ़ादार साथियों के साथ दीन-ए-इस्लाम, इंसानी मूल्यों और अमन व इंसाफ़ की रक्षा के लिए ऐसी बेमिसाल कुर्बानी पेश की, जो क़यामत तक इंसानियत के लिए मशाल-ए-राह बनी रहेगी। इमाम हुसैन (अ.) का क़ियाम सत्ता प्राप्ति या दुनियावी लाभ के लिए नहीं था, बल्कि उनका उद्देश्य दीन-ए-इस्लाम की हिफ़ाज़त, अम्र बिल मारूफ़ (नेकी का हुक्म) और नहीं अनिल मुनकर (बुराई से रोकना) था। मोहर्रम के दिनों में शिया मुसलमान मजलिस-ए-अज़ा, मातम, नौहाख़्वानी, जुलूस-ए-अज़ा, सबील और नियाज़ के माध्यम से शहीदान-ए-कर्बला को ख़िराज-ए-अक़ीदत पेश करते हैं। अज़ादारी केवल शोक और आँसुओं का नाम नहीं, बल्कि कर्बला के उद्देश्यों को समझने, उन्हें अपने जीवन में उतारने और समाज में इंसाफ़, भाईचारे और इंसानियत को बढ़ावा देने का माध्यम है।

मोहर्रम हमें क्या सिखाता है?- सत्य और न्याय के लिए डटकर खड़े रहना। जुल्म और अन्याय के सामने कभी समझौता न करना। धर्म, नैतिकता और इंसानियत की रक्षा के लिए हर कुर्बानी देना। गरीबों, मज़लूमों और पीड़ितों की मदद करना। अमन, भाईचारे और मानवता के मूल्यों को बढ़ावा देना।

शिया मुसलमानों की ज़िम्मेदारियाँ- हर अज़ादार की ज़िम्मेदारी है कि वह मोहर्रम को केवल रस्मों तक सीमित न रखे, बल्कि इमाम हुसैन (अ.) के चरित्र, उनके आदर्शों और कर्बला के संदेश को अपनी व्यक्तिगत, सामाजिक और नैतिक ज़िंदगी का हिस्सा बनाए। नई पीढ़ी को कर्बला की शिक्षा से परिचित कराना, मजलिसों और जुलूसों में अनुशासन बनाए रखना, समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारे का संदेश देना तथा मानव सेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना भी अज़ादारों का महत्वपूर्ण कर्तव्य है। कर्बला का संदेश किसी एक मज़हब, फिरके या समुदाय के लिए नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत के लिए है। इमाम हुसैन (अ.) की शहादत हमें सिखाती है कि संख्या, शक्ति और सत्ता से बड़ी चीज़ सच्चाई, सिद्धांत और आत्मसम्मान हैं। आज भी जब दुनिया अन्याय, नफ़रत और अत्याचार से जूझ रही है, तब कर्बला का पैग़ाम पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। मोहर्रम हमें याद दिलाता है कि हक़ की राह कठिन अवश्य हो सकती है, लेकिन उसकी मंज़िल हमेशा इज़्ज़त, इंसाफ़ और इंसानियत होती है।

मोहर्रम केवल ग़म का महीना नहीं, बल्कि इंसानियत को जगाने, हक़ की आवाज़ बुलंद करने और जुल्म के विरुद्ध डटकर खड़े होने का पैग़ाम है। कर्बला एक इतिहास नहीं, बल्कि हर दौर के इंसाफ़पसंद लोगों के लिए एक जीवंत आंदोलन और मार्गदर्शक है। आज की नई पीढ़ी को चाहिए कि वह इमाम हुसैन (अ.) की सीरत, किरदार और कुर्बानी से प्रेरणा लेकर समाज में न्याय, मानवता और भाईचारे की स्थापना के लिए अपना योगदान दे।

"हर दिन आशूरा है और हर ज़मीन कर्बला है" यही इमाम हुसैन (अ.) की शहादत का अमर संदेश है।

मौलाना सैय्यद हसीन अख़्तर ज़ैदी मेरठी

इमाम-ए-जुमा, सिरसी (जनपद सम्भल)

अब बिजनौर की जिम्मेदारी पीयूष कुमार के हाथ में

» औषधि निरीक्षक उमेश भारती का तबादला, मेरठ के पीयूष कुमार को मिली जिम्मेदारी

लोकतंत्र की शानः खिज़र अहमद

बिजनौर। जनपद बिजनौर में तैनात औषधि निरीक्षक उमेश भारती का तबादला मुरादाबाद कर दिया गया है। उनके स्थान पर मेरठ से औषधि निरीक्षक पीयूष कुमार की नियुक्ति की गई है। तबादले की सूचना के बाद जनपद के कैमिस्ट वर्ग में चर्चा का माहौल बना हुआ है। कई संगठनों के पदाधिकारियों ने उमेश भारती के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने लगभग चार वर्षों के कार्यकाल में दवा व्यापारियों के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखा। साथ ही अवैध और गैरकानूनी गतिविधियों पर सख्ती दिखाते हुए कई मामलों में प्रभावी कार्रवाई भी की। जनपद के कस्मिट व्यापारियों और एसोसिएशन पदाधिकारियों ने कहा कि उमेश भारती के कार्यकाल में विभाग द्वारा नियमों के पालन पर विशेष जोर दिया गया, जिससे दवा कारोबार में पारदर्शिता बढ़ी। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए नई तैनाती के लिए शुभकामनाएं दीं। वहीं, जनपद में नए औषधि निरीक्षक के रूप में पीयूष कुमार के कार्यभार संभालने के बाद दवा व्यापारियों और विभागीय अधिकारियों को उनसे भी बेहतर प्रशासनिक समन्वय एवं प्रभावी कार्यशैली की उम्मीद है। नई नियुक्ति को लेकर दवा व्यापारियों में उत्सुकता देखी जा रही है।

करोड़ों रुपए की लगत से बनेगा साहनपुर से चिड़िया पुर समीपुर मार्ग

1700 मीटर लंबी सड़क से किसानों और क्षेत्रवासियों को मिलेगा सीधा लाभ, जनता ने फूल-मालाओं से किया स्वागत

लोकतंत्र की शानः खिज़र अहमद

साहनपुर/नजीबाबाद। क्षेत्र के विकास को नई गति देते हुए नजीबाबाद विधायक हाजी तसलीम अहमद ने साहनपुर में लगभग 1 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 1700 मीटर लंबी सड़क का फीता काटकर शुभारंभ किया। यह सड़क राजकीय बालिका इंटर कॉलेज से चिड़ियापुर-समीपुर मार्ग तक बनाई जा रही है, जिसकी मांग क्षेत्रवासी लंबे समय से कर रहे थे। विधायक द्वारा पूर्व में की गई घोषणा के अनुरूप कार्य शुरू होने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल दिखाई दिया। सड़क निर्माण कार्य के शुभारंभ अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे और विधायक हाजी तसलीम अहमद का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यह सड़क केवल साहनपुर ही नहीं बल्कि आसपास के कई गांवों के किसानों के लिए भी लाभदायक साबित होगी। सड़क बनने से किसानों को अपनी फसल मंडियों तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी तथा आवागमन की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होगा। इस मौके पर विधायक हाजी तसलीम अहमद ने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनता की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में भी विकास कार्यों की गति इसी तरह जारी रहेगी। कार्यक्रम में आरिफ़ मलिक, नगर अध्यक्ष शाहनवाज, शेख अंजार, शकील एडवोकेट, वकील मलिक, ताहिर ठेकेदार, फुरकान राईन, फ़ैयाज़ राईन, शहजाद, एहसान मंसूरी, शाकिर, शादाब अहमद, वरुण चौधरी एडवोकेट, माजिद अंसारी, इरफ़ान प्रधान, शाहबुद्दीन प्रधान, नवाब एडवोकेट, उमर प्रधान, ज़ाहिद अंसारी प्रधान, अरमान सैफ़ी, सूफियान सैफ़ी, अशरफ़ खान सहित सैकड़ों क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

संजयनगर में खून से सनी रातः डीजे संचालक अर्जुन मौर्य की गोली मारकर हत्या, आक्रोश में फूटा जनसैलाब, सड़क पर उतरे लोग

लोकतंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) संजयनगर की गलियों में सोमवार रात चली एक गोली ने न सिर्फ एक युवक की जिंदगी खत्म कर दी, बल्कि पूरे इलाके को गुस्से, डर और सवालों के बीच खड़ा कर दिया। डीजे व्यवसाय से जुड़े युवा अर्जुन मौर्य की गोली मारकर हत्या किए जाने के बाद मंगलवार को शहर का माहौल तनावपूर्ण बना रहा। न्याय की मांग करते परिजन, सड़क पर उतर आए स्थानीय लोग और सैकड़ों डीजे संचालकों का गुस्सा प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गया। सुबह होते-होते तितली हाउस के बाहर लोगों का हुजूम जमा होने लगा। देखते ही देखते विरोध प्रदर्शन ने सड़क जाम का रूप ले लिया। लोगों की एक ही मांग थी— "हत्यारों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए।"

कार्यक्रम खत्म हुआ, लेकिन लौटते समय खत्म हो गई ज़िंदगी- मिली जानकारी के अनुसार गोसाईंगोटिया निवासी अर्जुन मौर्य डेलापीर स्थित एक बारातघर में डीजे संचालन का काम करते थे। सोमवार देर रात कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वह रोज की तरह घर लौट रहे थे। आरोप है कि रास्ते में पहले से मौजूद चार लोगों ने उन्हें रोक लिया। कुछ ही पल बाद इलाके में गोली चलने की आवाज गूंजी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना इतनी अचानक हुई कि आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले अर्जुन सड़क पर गिर चुके थे। हमलावर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

जिला अस्पताल बना शोक और आक्रोश का केंद्र- मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम के दौरान जिला अस्पताल परिसर में भारी भीड़ जुट गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था।

बताया जा रहा है कि अर्जुन अपने परिवार के इकलौते बेटे थे और डीजे व्यवसाय के जरिए घर की आर्थिक जिम्मेदारी संभाल रहे थे। बेटे की मौत ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। अस्पताल परिसर में मौजूद लोगों का कहना था कि अपराधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई न होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा।

सड़क जाम, नारेबाजी और पुलिस प्रशासन में हलचल- हत्या से नाराज लोगों ने पोस्टमार्टम हाउस के बाहर सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कई घंटों तक यातायात बाधित रहा और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

संक्षिप्त समाचार

पिता के खिलाफ मां ने दर्ज कराई रेप की शिकायत

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। हाजीपुर सदर थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति पर 14 वर्षीय नाबालिग बेटी से दुष्कर्म और मारपीट का गंभीर आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सदर थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, पीड़िता की मां ने बताया कि उनकी शादी 13 नवंबर 2006 को हुई थी। महिला का आरोप है कि उनके पति ने 8 जून 2025 और 5 सितंबर 2025 को उनकी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म किया। महिला ने यह भी बताया कि जब उन्होंने 8 जून 2025 को इस घटना के बारे में अपने पति को बताया, तो 8 जून 2026 को पति ने उनके साथ मारपीट और गाली-गलौज की। आरोपी ने उनकी ब्यूटी पार्लर की दुकान की चाबी भी छीन ली। महिला ने आरोप लगाया है कि उनका पति उन्हें और बेटी को जान से मारने की धमकी दे रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि पति पर पहले से दो मुकदमे (धारा 307 और 302) दर्ज हैं और वह जेल भी जा चुका है। पीड़िता की मां ने पुलिस से मांग की है कि उनकी बेटी नाबालिग है, इसलिए इस मामले में पॉक्सो एक्ट के तहत भी कार्रवाई की जाए। उन्होंने दोषी के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करने और उन्हें व उनकी बेटी को उचित सुरक्षा प्रदान करने की गुहार लगाई है। सदर थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि महिला की लिखित शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

कंप्यूटर व्यवसायी से लूट मामले में तीसरा आरोपी अरेस्ट

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस ने कंप्यूटर व्यवसायी से लूट के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नगर थाना क्षेत्र के अनवरपुर चौक निवासी राजकुमार पासवान के बेटे मिथलेश कुमार को पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की और फिर न्यायिक प्रक्रिया पूरी कर उसे हाजीपुर जेल भेज दिया। हालांकि पुलिस अब तक व्यवसायी से लूटा गया सामान बरामद नहीं कर सकी है। पुलिस ने इस मामले में इससे पहले 19 मई को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। गिरफ्तार आरोपियों में बिदुपुर थाना क्षेत्र के दाउदनगर निवासी रामलाल सिंह के पुत्र रवि सिंह और नगर थाना क्षेत्र के छोटी मरई पोखरा मोहल्ला निवासी गणेश सिंह के पुत्र सोनू कुमार शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से एक कट्टा, कारतूस, घटना में इस्तेमाल की गई बुलेट बाइक और एक टी-शर्ट बरामद की थी। सदर-1 एसडीपीओ सुबोध कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि शुरुआती जांच में सामने आया था कि लूट की योजना रवि सिंह ने सोनू कुमार के घर पर बनाई थी। इसके बाद पूरी प्लानिंग के साथ घटना को अंजाम दिया गया। घटना बीते 7 मई की है। नगर थाना क्षेत्र के बसावन सिंह इंडोर स्टेडियम स्थित न्यू मार्केट में कंप्यूटर दुकान चलाने वाले व्यवसायी रजनीश कुमार जायसवाल दुकान बंद कर अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वे राजपूत नगर स्थित अपने घर के पास पहुंचे, बाइक सवार तीन बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। बदमाशों ने हथियार के बल पर उनके साथ गाली-गलौज की और बैग छीन लिया। इस दौरान बदमाशों ने डराने के लिए गोली भी चलाई, लेकिन रजनीश कुमार बाल-बाल बच गए। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई थी। व्यवसायी के अनुसार जिस बैग को बदमाश लेकर फरार हुए थे, उसमें दुकान की चाबी, डायरी, इनवॉइस बिल की कॉपी, हार्ड डिस्क, जमीन के कागजात की फोटो कॉपी समेत कई जरूरी सामान रखे हुए थे। घटना के बाद पुलिस ने तकनीकी जांच और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों तक पहुंचना शुरू किया। हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस का कहना है कि इस मामले में अब तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस लूटे गए सामान की बरामदगी के लिए लगातार प्रयास कर रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस घटना में कोई और व्यक्ति शामिल था या नहीं। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हाजीपुर-मुजफ्फरपुर एनएच 22 पर स्कॉर्पियो पलटी, ईंट के ढेर से टकराने के बाद दुर्घटना, गाड़ी छोड़ ड्राइवर फरार

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। हाजीपुर-मुजफ्फरपुर एनएच-22 पर काजीपुर थाना क्षेत्र के अफजलपुर धोबघटी के पास सोमवार को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे रखे ईंट के ढेर से टकरा गई। टक्कर के बाद स्कॉर्पियो सड़क किनारे पलट गई। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। घटना के बाद सड़क पर पलटी स्कॉर्पियो को देखकर आसपास के लोगों और राहगीरों की भीड़ जुट गई। हालांकि, हादसे में किसी के घायल होने की जानकारी सामने नहीं आई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कॉर्पियो हाजीपुर की ओर से मुजफ्फरपुर की तरफ जा रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार होने के कारण चालक गाड़ी पर नियंत्रण खो बैठा। अनियंत्रित स्कॉर्पियो पहले एनएच किनारे रखे ईंट के ढेर से जोरदार तरीके से टकराई और इसके बाद सड़क पर ही पलट गई। हादसे की आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे। लोगों ने देखा कि स्कॉर्पियो पलटी हुई थी, जबकि चालक वहां मौजूद नहीं था। स्थानीय लोगों के अनुसार, स्कॉर्पियो पलटते ही चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वाहन सराय थाना क्षेत्र निवासी मुकेश महतो का बताया जा रहा है। लोगों का कहना है कि हादसे के समय मुकेश महतो ही स्कॉर्पियो चला रहे थे। तेज रफ्तार के कारण गाड़ी अनियंत्रित हुई और यह दुर्घटना हो गई। घटना के बाद सड़क पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। लोगों ने पलटी हुई गाड़ी को देखकर पुलिस को सूचना देने की बात कही। इस संबंध में काजीपुर थाना अध्यक्ष कुंदन कुमार सिंह ने बताया कि एनएच पर गाड़ी पलटने की सूचना थाने को नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसी घटना हुई है तो पुलिस पदाधिकारी को मौके पर भेजकर जांच कराई जाएगी। जांच के बाद ही हादसे की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जानकारी जुटाने में लगी है।

भतीजी से छेड़खानी का विरोध करने पर चाचा का मर्डर

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में 9वीं क्लास की छात्रा से छेड़खानी का विरोध करने पर एक युवक की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान लुकेश कुमार के रूप में हुई है, जो छात्रा का चाचा था। परिजनों के मुताबिक, छात्रा के साथ पिछले करीब दो महीने से आरोपी गांव के कुछ लोग छेड़खानी करते थे। छात्रा ने इसकी शिकायत अपने परिजनों से की थी। इसी दौरान बाहर से घर आए उसके चाचा लोकेश कुमार को भी इसकी जानकारी दी गई। इसे लेकर लोकेश आरोपियों को समझाने और विरोध जताने गए थे। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया। इसी दौरान गांव के कुछ लोगों ने धारदार हथियार से उसपर हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल लोकेश की SKMCH में इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत के बाद गांव में तनाव का माहौल है। स्थिति को देखते हुए कई थानों की पुलिस तैनात की गई है। पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपी राहुल कुमार को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है। मौत से पहले एसकेएमसीएच में पुलिस को दिए गए फर्द बयान में लुकेश कुमार ने बताया था कि 13 जून की सुबह करीब नौ बजे वह घर से टॉयलेट शौच के लिए निकले थे। खेतलपुर बाजार से करीब 300 मीटर दूर एक लीची बागान के पास राहुल कुमार दास, सिकंदर दास और किशोरी दास पहले से मौजूद थे। आरोप है कि तीनों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी दी। इसी दौरान एक महिला से हसुआ(धारदार हथियार) छीनकर उनके पेट पर वार कर दिया। हमले में उनका पेट फट गया और आंत बाहर निकल आई। इसके बाद भी आरोपियों ने लात-घूंसों से उनकी पिटाई की। अपने बयान में लुकेश कुमार ने बताया था कि हमले के दौरान आरोपी लगातार उन्हें धमका रहे थे। आरोपियों ने मारपीट करते हुए कहा, 'हम तुम्हारी भतीजी के साथ कुछ भी करें, तुम होते कौन हो मना करने वाले।' लुकेश ने यह भी आरोप लगाया था कि एसकेएमसीएच में भर्ती रहने के दौरान भी आरोपियों की ओर से उन्हें धमकियां दिलाई गई। कहा गया कि यदि वह बच गए तो अगली बार जान से मार दिया जाएगा। घटना के बाद परिजन गंभीर रूप से घायल लुकेश कुमार को औराई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें एसकेएमसीएच रेफर कर दिया। एसकेएमसीएच में इलाज के दौरान उनका फर्द बयान दर्ज किया गया, जिसके आधार पर 14 जून को प्राथमिकी दर्ज की गई।

जमीयत उलेमा जिला सहरसा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित, सामाजिक सुधार पर जोर

लोकतंत्र की शान

हरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: जमीयत उलेमा जिला सहरसा के जिला कार्यालय में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डॉ. मुअज्जुद्दीन ने की। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जमीयत उलेमा बिहार के नाज़िम-ए-आला मौलाना अब्बास कासमी तथा वित्त विभाग के नाज़िम मौलाना साबिर निज़ामी उपस्थित रहे। इस दौरान दोनों अतिथियों ने जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना सैयद अरशद मदनी के निर्देशों को पढ़कर सुनाया। निर्देशों में केंद्रीय, प्रांतीय, जिला एवं प्रखंड स्तर के पदाधिकारियों से अपील की गई कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सामाजिक सुधार से जुड़े विषयों जैसे दहेज प्रथा, शराबखोरी, जुआ, नशाखोरी तथा शिक्षा के मुद्दों पर छोटे-छोटे कार्यक्रम आयोजित करें। इन कार्यक्रमों में क्षेत्र के प्रभावशाली एवं सेक्युलर विचारधारा वाले हिंदू भाइयों को भी विशेष रूप से आमंत्रित करने पर बल दिया गया। साथ ही कहा गया कि आपसी सद्भाव एवं एकता को मजबूत करने के लिए विवाह, शैक्षणिक संस्थानों तथा अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में विभिन्न समुदायों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल होना, बीमारी के दौरान सहयोग करना तथा सामाजिक स्तर पर पारस्परिक सहयोग बढ़ाना आपसी भाईचारे को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बैठक में उपस्थित जिला एवं प्रखंड स्तर के पदाधिकारियों ने इन निर्देशों को धरातल पर लागू करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मौलाना हबीबुल्लाह मजाहिरी, कारी नूरुल्लाह नुमानी, मुफ्ती जाफर इमाम कासमी, मौलाना कासिदुल इस्लाम, मौलाना जमशीद आलम कासमी, अबू ज़फर रहमानी, मौलाना सोहराब अली नदवी, मौलाना मजाहिरुल हक कासमी, फैसल अब्दुल्लाह, डॉ. ताहिर इकबाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

24 जिलों में बारिश का अलर्ट, अगले 3-4 दिनों में मौसम में बदलाव की संभावना नहीं

लोकतंत्र की शान, पटना

बिहार में दक्षिण-पश्चिम मानसून की एंट्री हो चुकी है, लेकिन प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में उमस भरी गर्मी और चिलचिलाती धूप से लोग परेशान हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज प्रदेश के 24 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसमें 14 जिलों में ऑरेंज और 10 में यलो अलर्ट हैं। इन जिलों में 50kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो सुपौल में बारिश हुई। शेखपुरा, पटना का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, अगले तीन से चार दिनों तक अधिकतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

मानसून आने के बाद भी क्यों पड़ रही गर्मी: मानसून बिहार में पहुंच चुका है, तो फिर इतनी गर्मी और तेज धूप क्यों निकल रही है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, मानसून की एंट्री का मतलब यह नहीं होता कि पूरे राज्य में एक साथ लगातार बारिश शुरू हो जाएगी। मानसूनी बादलों की सक्रियता अलग-अलग क्षेत्रों में अलग समय पर होती है। विशेषज्ञ बताते हैं कि फिलहाल बिहार के कई हिस्सों में बादलों और धूप का मिश्रित असर देखने को मिल रहा है। जहां बारिश नहीं हो रही है, वहां सूर्य की तेज किरणें और हवा में नमी बढ़ने से उमस अधिक महसूस होती है। यही कारण है कि लोगों को सामान्य दिनों की तुलना में ज्यादा गर्मी महसूस हो रही है।

पटना में उमस भरी गर्मी से लोग होंगे परेशान: पटना में मंगलवार को हल्का बादल छाए रहने की संभावना है। कुछ इलाकों में हल्की बारिश भी हो सकती है. हालांकि दिन में लोग उमस भरी गर्मी से परेशान रहेंगे। अधिकतम तापमान 37 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों में बिहार के उत्तरी और पूर्वी जिलों में बारिश की संभावना अधिक है।

मिशन शक्ति योजनाओं का सहयोग शिविर में व्यापक प्रचार-प्रसार

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: महिला एवं बाल विकास निगम, बिहार के अंतर्गत संचालित मिशन शक्ति योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पंचायत सरकार भवन, पंचगछिया (प्रखंड—सत्तर कटैया, जिला—सहरसा) में आयोजित सहयोग शिविर के दौरान विभिन्न योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। इस अवसर पर जिला प्रोग्राम पदाधिकारी कुमारी पुष्पा के नेतृत्व में डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एम्पॉवरमेंट ऑफ वीमेन (DHEW) तथा वन स्टॉप सेंटर, सहरसा की टीम द्वारा मिशन शक्ति के अंतर्गत संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी आमजन को दी गई। शिविर में उपस्थित महिलाओं एवं नागरिकों को घरेलू हिंसा से संरक्षण, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY), बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम तथा महिलाओं के अधिकार एवं सुरक्षा से संबंधित प्रावधानों के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का संतोषजनक समाधान भी किया गया। जिला प्रोग्राम पदाधिकारी ने उपस्थित लोगों से अपील की कि वे महिलाओं एवं बालिकाओं के अधिकारों के प्रति जागरूक रहें तथा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। इस सहयोग शिविर में जिला मिशन समन्वयक, वन स्टॉप सेंटर की केस वर्कर एवं परामर्शी सहित अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

सहयोग शिविरों के माध्यम से आमजन की समस्याओं का समाधान, 15 स्थलों पर हुआ आयोजन

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: जिले के विभिन्न प्रखंडों में चिन्हित स्थलों पर आयोजित सहयोग शिविरों के माध्यम से आम जनता से जुड़ी समस्याओं का प्रभावी निवारण किया गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत दिनांक 16.06.2026 को कुल 15 स्थलों पर इन शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों के माध्यम से आमजन से प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं का समाधान किया गया, साथ ही लाभुकों को संबंधित प्रमाण-पत्र एवं विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। इस दौरान केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी उपस्थित लोगों को दी गई। जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार ने कहरा प्रखंड के पंचायत सरकार भवन, पररी तथा सिमरी बख्तियारपुर प्रखंड के खजुरी पंचायत स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय में आयोजित शिविरों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए काउंटरों का जायजा लिया तथा लाभुकों के बीच आवेदन निष्पादन से संबंधित प्रमाण-पत्रों का वितरण किया। अधिकारियों ने बताया कि पररी एवं खजुरी में आयोजित शिविरों में क्रमशः 28 एवं 74 आवेदनों का निष्पादन किया गया, जो प्राप्त आवेदनों के लगभग शत-प्रतिशत के बराबर है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित नागरिकों को आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन आम जनता की समस्याओं के समाधान एवं प्रत्येक पात्र लाभुक तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी बताया कि सहयोग शिविरों के अलावा प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को आयोजित "आम जनता से संवाद" कार्यक्रम के माध्यम से भी नागरिक अपनी समस्याएं दर्ज करा सकते हैं, जिनके समाधान हेतु प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। जिले के विभिन्न स्थलों पर वरीय पदाधिकारियों के नेतृत्व में आयोजित इन सहयोग एवं जनकल्याण शिविरों के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का निस्तारण किया गया तथा लाभुकों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया। उल्लेखनीय है कि 17 एवं 18 जून 2026 को भी प्रखंड मुख्यालयों में जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जहां विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों को प्रदान किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के साथ पुलिस अधीक्षक श्री हिमांशु, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सहयोग शिविरों के माध्यम से आमजन की समस्याओं का समाधान, जिला प्रशासन की लगातार पहल

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: जिले के विभिन्न प्रखंडों में चिन्हित स्थलों पर आयोजित सहयोग शिविरों के माध्यम से आम जनता से जुड़ी समस्याओं का प्रभावी समाधान किया गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत दिनांक 16.06.2026 को कुल 15 स्थलों पर इन शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों के माध्यम से आमजन से प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं का निस्तारण किया गया तथा पात्र लाभुकों को संबंधित प्रमाण-पत्र एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। इस दौरान केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी लोगों को दी गई और पात्र लाभार्थियों को नियमानुसार लाभ उपलब्ध कराया गया। इस क्रम में जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार ने कहरा प्रखंड के पंचायत सरकार भवन, पररी तथा सिमरी बख्तियारपुर प्रखंड के खजुरी पंचायत स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय में आयोजित शिविरों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए काउंटरों का जायजा लिया तथा लाभुकों के बीच आवेदन निष्पादन से संबंधित प्रमाण-पत्रों का वितरण किया। अधिकारियों ने बताया कि पररी एवं खजुरी में आयोजित शिविरों में क्रमशः 28 एवं 74 आवेदनों का निष्पादन किया गया, जो प्राप्त आवेदनों के लगभग शत-प्रतिशत के बराबर है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित नागरिकों को आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन आम जनता की समस्याओं के समाधान एवं प्रत्येक पात्र लाभुक तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी बताया कि सहयोग शिविरों के अलावा प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को आयोजित "आम जनता से संवाद" कार्यक्रम के माध्यम से भी नागरिक अपनी समस्याएं दर्ज करा सकते हैं, जिनके समाधान हेतु प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। जिले के विभिन्न स्थलों पर वरीय पदाधिकारियों के नेतृत्व में आयोजित इन सहयोग एवं जनकल्याण शिविरों के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का निस्तारण किया गया तथा लाभुकों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया। उल्लेखनीय है कि 17 एवं 18 जून 2026 को भी प्रखंड मुख्यालयों में जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जहां विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों को प्रदान किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के साथ पुलिस अधीक्षक श्री हिमांशु, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

10 सर्कुलर रोड खाली करने के नोटिस का टाइम पूरा

लोकतंत्र की शान, पटना

पूर्व मुख्यमंत्री और बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी ने सरकारी आवास खाली करने के लिए सरकार से एक महीने का अतिरिक्त समय मांगा है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को लेटर लिखा है। जानकारी के अनुसार, 39 हार्डिंग रोड स्थित जो सरकारी आवास उन्हें आवंटित किया गया है, उसमें अभी कुछ काम बाकी है। उन्होंने लेटर के जरिए बताया कि आवास के किचन, हॉल समेत कुछ अन्य हिस्सों में काम पूरा नहीं हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बचा हुआ काम पूरा होने के बाद वे नए आवास में शिफ्ट हो जाएंगी। लेटर में उन्होंने लालू की सेहत का भी हवाला दिया है। इसी कारण उन्होंने वर्तमान आवास खाली करने के लिए एक महीने का समय मांगा है। बिहार सरकार ने राबड़ी देवी को 10 सर्कुलर रोड बंगला खाली करने का आदेश दिया है। उन्हें 39 हार्डिंग रोड सरकारी बंगला मिला है। घर खाली करने की समय सीमा बीत गई है। लालू परिवार ने बंगला खाली कराए जाने का विरोध किया है। राबड़ी देवी ने सरकार से अनुरोध किया है कि 39 हार्डिंग रोड स्थित आवास में भी लालू यादव की सेहत को देखते हुए अलग कमरे और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो।

पटना में बिहार के पहले 'स्पेस क्लब' की होगी स्थापना

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना में बिहार के पहले स्पेस क्लब की स्थापना होगी। आर्यभट्ट ज्ञान यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. शरद कुमार यादव ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि यूनिवर्सिटी में "आर्यभट्ट स्पेस क्लब" स्थापित की जाएगी। इस क्लब का उद्देश्य विद्यार्थियों में अंतरिक्ष विज्ञान, खगोल विज्ञान, सैटेलाइट टेक्नोलॉजी, स्पेस डेटा एनालिटिक्स और उभरती अंतरिक्ष टेक्नोलॉजी के प्रति रुचि और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना है। इस क्लब के माध्यम से विशेषज्ञ व्याख्यान, वर्कशॉप, ट्रेनिंग कार्यक्रम, आदि चीजें संचालित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि आर्यभट्ट स्पेस क्लब विद्यार्थियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष गतिविधियों से जोड़ने के साथ-साथ इनोवेशन, रिसर्च और कौशल विकास के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करेगा। यह पहल बिहार और पूर्वी भारत के युवाओं को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए अवसरों के लिए प्रेरित करेगी। इसकी घोषणा कुलपति ने दिल्ली में आयोजित इंडिया स्पेस कांग्रेस सम्मेलन 2026 में की। कुलपति ने कहा कि इंडिया स्पेस कांग्रेस 2026 में प्राप्त अनुभव, विशेषज्ञों के विचार तथा उद्योग जगत के साथ स्थापित संपर्क विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एस्ट्रोनॉमी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य बिहार और पूर्वी भारत में खगोल विज्ञान शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार का एक उत्कृष्ट केंद्र विकसित करना है।

पटना नगर निगम के 37% वाहन जर्जर, मल्टी लेवल पार्किंग के दूसरे फ्लोर पर पड़ी हैं गाड़ियां

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना में अभी स्वच्छता सर्वेक्षण चल रहा है। पटना नगर निगम दावा कर रही है कि हर दिन 75 वार्डों में नियमित कचरे का उठाव हो रहा है, लेकिन कचरा उठाव व्यवस्था चरमराई हुई है। लंबे समय से नये वाहनों की खरीद न होने के कारण निगम के कुल 523 वाहनों में से केवल 327 ही चलने लायक बचे हैं, जबकि लगभग 37 प्रतिशत वाहन जर्जर हो चुके हैं। जंक्शन स्थित मल्टी लेवल पार्किंग के दूसरे फ्लोर पर लाइन से अधिकतर जर्जर वाहन रखा हुआ है। किसी की हेडलाइट फूटी हुई है, तो किसी का शीशा टूटा हुआ है।

75 वार्डों में औसतन हर पांच में से दो कचरा वाहन खराब: पटना नगर निगम के सभी 75 वार्डों में औसतन हर पांच में से दो कचरा वाहन खराब पड़े हैं। शहर को कचरा उठाव के लिए 375 सेक्टरों में बांटा गया है, लेकिन मेंटेनेंस के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति हो रही है। साल 2025 के सितंबर में मिशन विश्वकर्मा के तहत और इस साल स्वच्छता सर्वेक्षण के नाम पर वाहनों की मरम्मत तो करायी गयी, लेकिन स्थिति जस की तस है।

वार्ड 48 में ई-रिक्शा खराब होने की शिकायत: वार्ड 48 के पार्षद इंद्रदीप चंद्रवंशी ने भी अपने वार्ड में ई-रिक्शा खराब होने की शिकायत की है। वार्ड 44 के पार्षद आशीष चंद्र ने बताया कि उनके वार्ड के दो सेक्टरों में वाहन खराब हैं। वर्तमान में वार्डों के सेक्टर का निर्धारण साल 2011 की जनसंख्या के आधार पर चल रहा है, जबकि अब तक आबादी में करीब 50.45% की बढ़ोतरी हो चुकी है। इस बढ़े हुए लोड के कारण मौजूदा संसाधनों पर दबाव बढ़ गया है।

टूटी बॉडी वाली गाड़ियों से सड़कों पर कचरा गिरता रहता: हाल ही में निगम बोर्ड की बैठक में पार्षदों ने इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया कि पांच में से दो जोन में कचरा उठाव पूरी तरह ठप है। वर्तमान में नूतन राजधानी और पाटलिपुत्र अंचल को 80-80 सेक्टरों में, अजीमाबाद और बांकीपुर को 60-60, कंकड़बाग को 55 और पटना सिटी अंचल को 40 सेक्टरों में बांटकर गाड़ियां तैनात की गयी हैं। बिना नंबर प्लेट और टूटी बॉडी वाली इन गाड़ियों से सड़कों पर कचरा गिरता रहता है, जिससे हर तरफ गंदगी फैल रही है। परिवहन विभाग की ओर से सर्वे में भी 152 कचरा वाहन को कंडम घोषित कर दिया गया है। इसकी बिक्री भी नहीं हो सकी है। हालांकि, 82 करोड़ रुपये में बेचने के लिए टेंडर निकाला गया था, पर किसी ने रुचि नहीं दिखाई।

संक्षिप्त समाचार

जनजातीय कार्य विभाग के शिक्षकों में फेरबदल

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान सीधी। जनजातीय कार्य विभाग सीधी के शिक्षकों, लिपिक, जल वाहको, भृत्य की स्थानांतरण सूची जारी की गई। कलेक्टर द्वारा जारी स्थानांतरण सूची में शासकीय हाई स्कूल धुपखड की माध्यमिक शिक्षक अनादि मिश्रा का स्थानांतरण आदिवासी कन्या आश्रम गांधीग्राम, पीएमश्री हाई स्कूल गोतरा के उमाध्यमिक शिक्षक रामचंद्र प्रजापति का स्थानांतरण आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चुरहट, आदिवासी कन्या आश्रम ताला की माध्यमिक शिक्षक श्रीमती भावना गुप्ता का स्थानांतरण आदिवासी कन्या शिक्षा परिसर सीधी के लिए किया गया है। वहीं प्राथमिक शाला चंकर टोला के शिक्षक अनुपम चतुर्वेदी का स्थानांतरण आदिवासी बालक आश्रम नौढिया शिकारगाह मझौली, प्राथमिक शाला ताला के शिक्षक सौरभ कुमार ड्क्षसह का स्थानांतरण प्राथमिक शाला ताला से आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चुरहट, प्राथमिक शाला डुहुकुरिया के सहायक शिक्षक श्रीमती गोमती कोल का स्थानांतरण आदिवासी कन्या आश्रम पोंड़ी के लिए किया गया है। सभी स्थानांतरण स्वैच्छिक हुए हैं। इसी तरह उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुसमी के सहायक ग्रेड-2 शिवप्रसाद कोल का स्थानांतरण कार्यालय सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सीधी, जल वाहक गया प्रसाद सोंधिया का स्थानांतरण आदिवासी बालक छात्रावास गिजवार से अनुसूचित जाति बालक छात्रावास रामपुर नैकिन, भृत्य रामलाल केवट माध्यमिक शाला रूंदा भदौरा संलग्न उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कमछ का स्थानांतरण आदिवासी बालक छात्रावास खाम्ह के लिए किया गया है। उक्त स्थानांतरण प्रशासनिक रूप से हुए हैं। वहीं जल वाहक विवेक कुमार ड्क्षसह आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास सिहावल का स्थानांतरण स्वैच्छिक रूप से आदिवासी कन्या आश्रम कोचिला के लिए किया गया है।

अमरोहा पुलिस विभाग में फेरबदल 48 पुलिसकर्मियों के तबादले

लोकतंत्र की शन , संवाददाता सतीश चंद राणा , हसनपुर / अमरोहा , अमरोहा। जनपद में पुलिस व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने देर रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 48 पुलिसकर्मियों के स्थानांतरण के आदेश जारी किए हैं। इस सूची में निरीक्षक, उपनिरीक्षक तथा आरक्षी स्तर के कर्मचारी शामिल हैं। जारी आदेशों के अनुसार विभिन्न थानों, चौकियों, पुलिस लाइन एवं डायल-112 इकाई में तैनात पुलिसकर्मियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। हालांकि किसी भी थाना प्रभारी के कार्यक्षेत्र में बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन कई चौकी प्रभारियों को नए स्थानों पर भेजा गया है। डायल-112 यूनिट में सबसे अधिक बदलाव देखने को मिले हैं। कुछ पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण प्रशासनिक आवश्यकता के आधार पर किया गया है, जबकि कुछ को आपसी समन्वय के तहत नई तैनाती दी गई है। हाल ही में निलंबन की कार्रवाई झेल चुके नौगावां सादात थाना प्रभारी बालेंद्र कुमार यादव को नई जिम्मेदारी देते हुए डायल-112 का प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा पांच चौकी प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में भी परिवर्तन किया गया है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने बताया कि पुलिस बल के बेहतर प्रबंधन, कार्यक्षमता बढ़ाने तथा विभिन्न इकाइयों में आवश्यकतानुसार स्टाफ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह स्थानांतरण किए गए हैं। सभी संबंधित कर्मचारियों को शीघ्र नई तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुरादाबाद पुलिस हुई हाईटेक, अत्याधुनिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष का उद्घाटन

मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश/ मुरादाबाद पुलिस अब पूरी तरह डिजिटल और हाईटेक व्यवस्था की ओर तेजी से बढ़ रही है। इसी क्रम में कचहरी परिसर स्थित पुलिस क्लब में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष का भव्य उद्घाटन किया गया। नव स्थापित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष के माध्यम से पुलिस अधिकारी शासन और उच्चाधिकारियों के साथ सीधे ऑनलाइन संवाद स्थापित कर सकेंगे। इससे बैठकों, समीक्षा कार्यों तथा कानून-व्यवस्था संबंधी निर्देशों के आदान-प्रदान में समय की बचत होगी और कार्यों में अधिक पारदर्शिता एवं दक्षता आएगी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि डिजिटल तकनीक के बढ़ते उपयोग को देखते हुए यह पहल विभाग के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित यह कक्ष भविष्य में विभिन्न प्रशासनिक एवं पुलिस संबंधी गतिविधियों के संचालन में अहम भूमिका निभाएगा। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कहा कि तकनीक के बेहतर उपयोग से पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाया जा सकेगा।

दूसरे दिन मिला भंवरसेन नदी में डूबे तीन युवाओं के शव

» रीवा एवं सीधी की एसडीआरएफ टीम ने किया रेस्क्यू

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के रामपुर नैकिन थानांतर्गत सोन नदी के भंवरसेन घाट में सोमवार को हुए दर्दनाक हादसे में डूबे चारों युवाओं के शव बरामद कर लिए गए हैं। सोमवार को एक युवती का शव मिलने के बाद आज मंगलवार को एसडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय गोताखोरों की संयुक्त टीम ने दो अन्य युवतियों एवं एक युवक का शव भी नदी से बाहर निकाल लिया। जानकारी के अनुसार मैहर जिले के रामनगर थाना क्षेत्र से आए कुछ युवक-युवतियां सोमवार को सोन नदी के भंवरसेन घाट पिकनिक मनाने पहुंचे थे। सोन नदी में स्नान करते समय तीन युवतियां गहरे पानी में डूबने लगीं। उन्हें बचाने के प्रयास में एक युवक ने नदी में छलांग लगा दी, लेकिन वह भी तेज बहाव और गहरे भंवर की चपेट में आकर डूब गया। देखते ही देखते खुशियों का माहौल मातम में बदल गया और घाट पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम विकास आनंद, तहसीलदार आशीष मिश्रा, रामपुर नैकिन थाना एवं खड्डी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू कराया। सोमवार को ज्योति सेन पिता रामाधार सेन 24 वर्ष निवासी बूढ़ा बाउर थाना रामनगर जिला मैहर का शव घटनास्थल से करीब आधा किलोमीटर दूर नदी में बरामद किया गया था। आज मंगलवार को कलेक्टर विकास मिश्रा और पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी भी घटनास्थल पहुंचे। उनके मार्गदर्शन में एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों ने सघन तलाश अभियान चलाते हुए शेष तीन शवों को भी बरामद कर लिया। यह शव सुभी सेन पिता राम दयाल सेन उम्र 15 निवासी बूढ़ा बाउर थाना राम नगर जिला मैहर, नीलू बैस पिता लल्लू बैस 22 साल निवासी बूढ़ा बाउर थाना राम नगर जिला मैहर एवं लखन केवट पिता मोहन लाल केवट 26 साल निवासी घोगट पूर जिला राजगढ के थे। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए रामपुर नैकिन अस्पताल भेजा। पोस्टमार्टम के पश्चात शव रोते बिलखते परिजनों को सौपा गया।

हर जरूरतमंद तक पहुंचे योजनाओं का लाभ : विधायक रीती पाठक

जनकल्याण शिविर में 11 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त

(ऋचा पाण्डेय, ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। प्रदेश शासन के विशेष जनकल्याण अभियान के तहत जनपद पंचायत सीधी सभागार में त्रिदिवसीय जनकल्याण शिविर का शुभारंभ सीधी विधायक श्रीमती रीती पाठक के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि कोई भी पात्र व्यक्ति शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविरों के माध्यम से जरूरतमंदों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए। विधायक ने बताया कि पिछले एक माह से घर-घर सर्वे कर ऐसे लोगों को चिन्हित किया जा रहा है जो अब तक योजनाओं से नहीं जुड़ पाए हैं। जनपद पंचायत सीधी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदूलाल पनिका ने बताया कि ग्राम पंचायतों के सहयोग से अब तक 11 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाकर आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ भी दिया जा रहा है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

थाना प्रभारी पर जानलेवा हमला करने वाले छः आरोपी गए जेल

» चक्काजाम खुलवाने पटपरा गए थे थाना प्रभारी

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के कमर्जी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पटपरा में सोमवार दोपहर सडक़ जाम खुलवाने गए कमर्जी थाना प्रभारी पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया गया था, इस घटना से जुड़े छः आरोपियों को पुलिस ने सोमवार को ही गिरफ्तार कर लिया था। आज मंगलवार को सभी आरोपियों का मेडिकल कराने के बाद जिला न्यायालय में पेश किया गया जहां से सभी को जेल भेज दिया गया है। इस घटना को लेकर पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी स्वयं पूरे मामले में सक्रिय रहे और वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए जेल भिजवाया है। उल्लेखनीय हैं कि सोमवार को कमर्जी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पटपरा में सड़क एवं नाली निर्माण के दौरान कुछ लोगों ने विवाद करते हुए चुरहट अमिलिया मार्ग में चक्काजाम कर दिया था, जिसकी सूचना मिलने पर थाना प्रभारी इंद्रराज सिंह अपने दलबल के साथ जाम खुलवाने पहुंचे थे, जहां मार्ग अवरुद्ध करने वाले लोगों को समझाइश दे रहे थे इसी दौरान कुछ लोगों ने थाना प्रभारी पर ही धारदार हथियार से हमला कर दिया था, जिसके चलते उन्हें सिर, हांथ, पैर सहित शरीर में कई जगह गंभीर चोटें आई थी, सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने जिले के पांच थानों का बल तैनात कर स्थिति को नियंत्रण में ले लिया। लेकिन थाना प्रभारी इंद्रराज सिंह पर जानलेवा हमला करने वालों को चिन्हित किया गया और तत्काल छः आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि एक आरोपी मौका देखते ही फरार हो गया।

स्वामी विवेकानंद सभागार में गूंजे हुनर के स्वर, महापौर श्रीमती सूरी के मुख्य आतिथ्य में 11 दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन समारोह संपन्न

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर का की मध्य प्रदेश

कटनी, गतः शिक्षा के साथ क्षमता विकास के विजन को धरातल पर उतारते हुए नगर पालिक निगम कटनी द्वारा आयोजित 11 दिवसीय ग्रीष्मकालीन प्रतिभा शिविर-2026 का प्रतिभा सम्मान एवं समापन समारोह मंगलवार को महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी के मुख्य आतिथ्य तथा निगम जनप्रतिनिधियों सहित निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार की विशेष मौजूदगी में स्वामी विवेकानंद सभागार, बस स्टैंड में भव्यता एवं उल्लासपूर्ण माहौल के बीच सम्पन्न हुआ। निगम के तीनों स्कूलों में ल 5 से 15 जून तक चले इस सृजनात्मक महायज्ञ में 299 विद्यार्थियों ने खेल, कला, संस्कृति एवं जीवन-कौशल के विविध आयामों को आत्मसात कर अवकाश को आत्मविश्वास में बदलने का जीवंत प्रमाण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य डॉ रमेश सोनी, सुभाष साहू, उमेन्द्र अहिरवार, पार्षद श्रीमती वंदना राजकिशोर यादव, सीमा श्रीवास्तव , शकुंतला सोनी, रेखा संजय तिवारी, सुखदेव चौधरी, पूर्व नगर निगम अध्यक्ष सत्य नारायण अग्रहरी, पूर्व पार्षद ऋचा गेलानी, समाजसेवी सुरेश सोनी, पप्पा मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों

जनसुनवाई में कटनी पुलिस के अधिकारियों ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी – मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं प्रभावी समाधान हेतु प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के क्रम में आज दिनांक 16 जून 2026 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता पूर्वक सुना। इस दौरान शिकायत सुनवाई एवं समाधान हेतु नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती नेहा पच्चीसिया , एसडीओपी स्लीमनाबाद श्रीमती आकांक्षा चतुर्वेदी, एसडीओपी वि.गढ श्री धीरेन्द्र धार्वे, डीएसपी अजाक सुश्री शिवा पाठक जनसुनवाई में उपस्थित रहे एवं उन्होंने प्रत्येक आवेदक की समस्या को प्राथमिकता से लेते हुए संबंधित थाना प्रभारी एवं को त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कुछ प्रकरणों में साइबर संबंधी शिकायतों के प्राप्त होने पर, फरियादियों को शासन द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करने एवं साइबर अपराधों से जागरूक रहने की हिदायत भी पुलिस अधिकारियों द्वारा फरियादियों को दी गई। एवं आवश्यक कार्यवाही के निर्देश सायबर सेल को दिये गये। जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों में मुख्यतः पारिवारिक विवाद, आपसी विवाद, पैसों के लेन-देन से संबंधित मामले, पुलिस द्वारा सुनवाई न होने की शिकायतें, भूमि/प्लॉट संबंधी धोखाधड़ी, महिला अपराध एवं अन्य पुलिस से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। कुछ समस्याएं अन्य विभागों से संबंधित होने पर, आवेदको को संबंधित विभाग में जाने की समझाइश भी दी गई। इस अवसर सभी अधिकारियों द्वारा पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में आवेदकों की समस्याओं को विस्तारपूर्वक सुनकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की गई।

जिले के पांच उपयंत्रियों का तबादला, बदले गए अनुभाग

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिला पंचायत सीधी द्वारा प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न जनपद पंचायतों एवं सेक्टरों में पदस्थ 5 उपयंत्रियों के स्थानांतरण आदेश जारी किए गए हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी द्वारा जारी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार उपयंत्री राघवेन्द्र द्विवेदी जनपद पंचायत मझौली से सेक्टर बरमबाबा जनपद पंचायत सीधी, देवेश द्विवेदी जनपद पंचायत रामपुर नैकिन से सेक्टर सेमरिया जनपद पंचायत सीधी, श्रीमती पूजा सिंह सेक्टर बंजारी जनपद पंचायत सीधी से सेक्टर धुम्मा जनपद पंचायत सीधी, अमर सिंह जनपद पंचायत कुसमी से सेक्टर खड्डी जनपद पंचायत रामपुर नैकिन, इन्द्रलाल सिंह सेक्टर दादर जनपद पंचायत मझौली से सेक्टर गिजवार स्थानांतरित किया गया है। आदेश में कहा गया है कि सभी संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करना होगा।

कुसमी जनपद सभागार में जनकल्याण शिविर आयोजित हितग्राहियों को वितरित किए गए लाभ एवं प्रमाण पत्र

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। 16 जून 2026 मध्यप्रदेश शासन की जनहितैषी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जनपद पंचायत कुसमी के सभागार में जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों से प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर पात्र हितग्राहियों के आवेदन स्वीकृत किए गए तथा उन्हें योजनाओं का लाभ प्रदान करते हुए प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला पंचायत सदस्य हीराबाई सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता भानू प्रताप सिंह, एसडीएम कुसमी शैलेश द्विवेदी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कुसमी ज्ञानेंद्र मिश्रा सहित विकासखंड के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर के दौरान राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास, खाद्य, कृषि तथा अन्य विभागों द्वारा हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में अधिकारियों ने शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि इस प्रकार के शिविरों से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त किया। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा स्वीकृत आवेदनों की जानकारी भी साझा की गई, जिससे पात्र हितग्राहियों को त्वरित लाभ मिल सके।

परिवहन विभाग का सख्त अभियानः बिना परमिट और फिटनेस के दौड़ रहे वाहन पकड़े,दो बसें और ट्रक जब्त

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनीः जिले में सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में परिवहन विभाग ने अवैध रूप से संचालित वाहनों के विरुद्ध सख्त अभियान चलाया। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री संतोष पॉल के नेतृत्व में चलाए गए विशेष चेकिंग अभियान के दौरान बिना वैध दस्तावेजों के संचालित हो रहे वाहनों पर कार्रवाई करते हुए एक मालवाहक ट्रक और दो यात्री बसों को जब्त किया गया।

विभिन्न मार्गों पर हुई सघन जांच,दस्तावेजों की बारीकी से पड़ताल-विशेष अभियान के तहत कटनी जिले के प्रमुख मार्गों एवं चेकिंग प्वाइंटों पर दर्जनों यात्री और मालवाहक वाहनों की गहन जांच की गई। परिवहन विभाग की टीम ने वाहनों के परमिट, फिटनेस प्रमाण-पत्र, टैक्स भुगतान, बीमा और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की विस्तृत पड़ताल की। जांच के दौरान तीन वाहन गंभीर अनियमितताओं के साथ संचालित होते पाए गए, जिनके विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की गई।

वर्षों से टैक्स बकाया,बिना परमिट और फिटनेस दौड़ रहा था ट्रक-जांच के दौरान ट्रक क्रमांक सीजी 12 बीएफ 9019 को रोककर दस्तावेजों की जांच की गई। जांच में सामने आया कि वाहन बिना वैध परमिट एवं फिटनेस प्रमाण-पत्र के संचालित किया जा रहा था। इतना ही नहीं, वाहन का कर वर्ष 2025 से जमा नहीं किया गया था। परिवहन नियमों के गंभीर उल्लंघन को देखते हुए ट्रक को तत्काल जब्त कर थाना बरही में सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया। विभाग द्वारा वाहन स्वामी के विरुद्ध नियमानुसार आगे की वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल से चीन की कंपनियों के लिए अनुकूल व्यावसायिक माहौल बनाने का अनुरोध

काठमांडू। चीन ने नेपाल से चीनी कंपनियों के लिए एक अनुकूल व्यावसायिक माहौल तैयार करने का अनुरोध किया है। चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार, बीजिंग में सोमवार को विदेशमंत्री शिशिर खनाल के साथ हुई बैठक के दौरान चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि चीन अपनी कंपनियों को नेपाल में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करेगा और नेपाल से भी अनुकूल व्यावसायिक माहौल बनाने की उम्मीद करता है। चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी प्रेस नोट में कहा गया है कि चीन अपनी कंपनियों को नेपाल में निवेश के लिए प्रोत्साहित करेगा और उम्मीद करता है कि नेपाल अधिक निष्पक्ष, पारदर्शी और अनुकूल व्यावसायिक माहौल प्रदान करेगा। नेपाल में चीनी निवेश और वित्तीय सहयोग मुख्य रूप से जलविद्युत, हवाई अड्डे, सीमेंट उद्योग, सड़क और ऊर्जा क्षेत्रों में केंद्रित है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों देशों ने बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को मजबूत करने और विकासशील देशों के साझा हितों की रक्षा करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। चीनी विदेश मंत्री वांग ने उच्च गुणवत्ता वाले 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई)' के तहत बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क, सड़क, सीमा नाके और हवाई परिवहन जैसे क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करके नेपाल की सहायता करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। चीनी विदेश मंत्री वांग ने 'दूर के रिश्तेदार से बेहतर पास का पड़ोसी होता है' कहते हुए कहा कि विकास, समृद्धि और आधुनिकीकरण की यात्रा में चीन नेपाल के लिए एक भरोसेमंद पड़ोसी और भागीदार बना रहेगा। वर्ष 2019 में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की नेपाल यात्रा के दौरान दोनों देशों द्वारा विकास और समृद्धि-उन्मुख पीढ़ियों पुरानी मैत्रीपूर्ण रणनीतिक सहकारी साझेदारी की स्थापना को याद करते हुए, उन्होंने कहा कि इसने चीन-नेपाल संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की साझा दिशा तय की है।

मंत्रियों की अनुपस्थिति पर नेपाली प्रतिनिधि सभा की बैठक स्थगित

काठमांडू। नेपाल की संसद की प्रतिनिधि सभा की मंगलवार को बैठक में संघीय सरकार के संबंधित मंत्रियों की अनुपस्थिति के कारण उनके विभागों के बजट प्रस्तावों पर चर्चा नहीं हो सकी और सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

मंगलवार को प्रतिनिधि सभा में नौ मंत्रालयों के बजट पर चर्चा चल रही थी। इसी दौरान नेपाली कांग्रेस के सांसद गोपाल शर्मा ने नियमावली का हवाला देते हुए आपत्ति दर्ज कराई। इस पर अध्यक्ष डोलप्रसाद अर्याल ने सांसद शर्मा को बोलने की अनुमति प्रदान की। शर्मा ने प्रतिनिधि सभा नियमावली के नियम 6 की उपधारा (5) का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी मंत्रालय से संबंधित विषय पर सदन में चर्चा के दौरान संबंधित मंत्री की उपस्थिति अनिवार्य है। सांसद शर्मा ने कहा, "नियमावली के नियम 6(5) के अनुसार संसद में किसी मंत्रालय के विषय पर चर्चा कराए जाने के समय संबंधित मंत्री की उपस्थिति आवश्यक है।" उन्होंने यह भी ध्यान दिलाया कि बैठक में केवल तीन मंत्री ही मौजूद हैं। मंगलवार की बैठक में केवल भौतिक अवसंरचना मंत्री सुनिल लम्साल, विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवप्रवर्तन मंत्री महावीर पुन तथा ऊर्जा मंत्री विराजभक्त श्रेष्ठ उपस्थित थे। शर्मा ने कहा, "सरकार को लगातार संसद की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। सदन का संचालन नियमावली के अनुसार किया जाए। मैं संबंधित मंत्रियों को सदन में बुलाने के लिए अध्यक्ष से व्यवस्था देने की मांग करता हूं।" इसके बाद अध्यक्ष डोल प्रसाद अर्याल ने प्रतिनिधि सभा की कार्यवाही स्थगित कर दी।

नागपुर में एयरफोर्स जवान की पत्नी के साथ यौन उत्पीड़न व जबरन धर्म परिवर्तन की कोशिश का आरोप

नागपुर। नागपुर में एयरफोर्स जवान की पत्नी को नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ यौन उत्पीड़न, उसका वीडियो बनाने और उससे 3.09 लाख रुपये की उगाही का मामला सामने आया है। पीड़िता पर इस्लाम अपनाने के लिए दबाव डालने का भी आरोप है। पीड़िता की तरफ से सोनेगांव पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई जिसके आधार पर आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। शिकायत के मुताबिक यह उत्पीड़न एक साल से चल रहा था। सोनेगांव पुलिस के अनुसार, नागपुर में रहने वाली पीड़िता का पति एयरफोर्स का जवान और वह जमीन के कारोबार से जुड़ी है। लगभग एक साल पहले, अयाज़ ताज मदारे नाम के एक परिचित ने उससे संपर्क किया और दावा किया कि उसके पास ज़मीन का एक संभावित खरीदार है। उसने पीड़िता को नागपुर के वर्धा रोड इलाका स्थित इंपीरियल ग्रीन होटल में मिलने के लिए कहा। वहाँ, उसने पीड़िता की कोल्ड ड्रिंक में नशीली दवा मिला दी। जब वह बेहोश हो गई तो अयाज़ ताज मदारे और उसके साथी अमीन शेख ने बारी-बारी से उसके साथ बलात्कार किया। उन्होंने घटना का वीडियो बनाया और उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। एक साल के दौरान, आरोपितों ने बार-बार उसके साथ उत्पीड़न किया और उससे 3.09 लाख ऐंठ लिए। इन दो आरोपितों की मदद से मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा ज़िले के तामिया के एक मौलाना ने उसे ज़बरदस्ती इस्लाम अपनाने और निकाह (इस्लामिक विवाह समारोह) करने के लिए मजबूर करने की कोशिश की। आखिरकार, पीड़िता किसी तरह बच निकलने में कामयाब रही और सोनेगांव पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए क्राइम डिटेक्शन यूनिट के इंचार्ज विक्रांत कार्तकर की अगुवाई वाली टीम ने अयाज़ मदारे और अमीन शेख को गिरफ़्तार कर लिया। आरोपित के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत रेप, जबरन वसूली और जबरन धर्म परिवर्तन की कोशिश के गंभीर आरोप दर्ज किए गए हैं। साथ ही, 'महाराष्ट्र मानव बलि और अन्य अमानवीय, बुरी और अघोरी प्रथाओं तथा काले जादू की रोकथाम और उन्मूलन अधिनियम' के तहत भी मामला दर्ज किया गया है।

जयराम रमेश ने चंद्रबाबू नायडू पर विपक्ष के साथ नाइंसाफी का लगाया आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और उनकी पार्टी तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) पर लोकसभा में विपक्ष के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि संविधान संशोधन विधेयक के मामले में टीडीपी ने जो रुख अपनाया, उससे विपक्ष के अधिकारों और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को नुकसान पहुंचा है। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि 16 अप्रैल को टीडीपी ने संविधान संशोधन विधेयक में बदलाव का सुझाव दिया था। उनके अनुसार, इस प्रस्तावित संशोधन से लोकसभा में राज्यों की मौजूदा प्रतिनिधित्व क्षमता या ताकत में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती थी। लेकिन टीडीपी की ओर से सुझाए गए संशोधनों के बावजूद केंद्रीय गृह मंत्री ने विधेयक में ऐसा कोई बदलाव पेश नहीं किया। रमेश का कहना है कि इससे टीडीपी के रुख और उसके राजनीतिक दावों पर सवाल खड़े होते हैं। कांग्रेस नेता ने बिना नाम लिए कहा कि स्वयं को 'चाणक्य' बताने वाले नेता 17 अप्रैल की शाम को बेनकाब हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष को भरोसे में लेने के बजाय उसके साथ छल किया गया। जयराम रमेश ने आगे कहा कि टीडीपी अब एक "अनजान नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया" की छाया में सिमटती दिखाई दे रही है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चिंताजनक बताते हुए कहा कि संसद में विपक्ष की भूमिका को कमजोर करना स्वस्थ लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि यह पूरा घटनाक्रम विपक्ष के अधिकारों और संसदीय परंपराओं के साथ गंभीर अन्याय का उदाहरण है। उन्होंने आरोप लगाया कि महत्वपूर्ण विधायी प्रक्रियाओं में विपक्ष की चिंताओं और सुझावों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। हालांकि, टीडीपी या आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से जयराम रमेश के इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। राजनीतिक हलकों में उनके बयान को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

पूर्व मुख्यमंत्री ममता ने अपनी हार को हाईकोर्ट में चुनौती दी

भवानीपुर में शुभेंदु से 15,105 वोट से हारी थीं, काउंटिंग के दौरान मारपीट का आरोप लगाया था

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भवानीपुर विधानसभा सीट के चुनाव नतीजे को कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती दी है। मंगलवार को वह खुद याचिका दाखिल करने हाईकोर्ट पहुंचीं। उन्होंने कोर्ट से चुनाव परिणाम की वैधता की जांच करने की मांग की है। भवानीपुर सीट पर भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को 15,105 वोटों से हराया था। ममता इस सीट से पहले तीन बार विधायक रह चुकी हैं। चुनाव के दौरान उन्होंने मतगणना में गड़बड़ी और अपने साथ मारपीट के आरोप भी लगाए थे।

ममता बोली थीं- मुझे धक्का दिया, मारा-पीटा: रिजल्ट से एक दिन पहले 3 मई को काउंटिंग सेंटर के बाहर हंगामा हुआ था। TMC कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि BJP के झंडे वाली कार को बिना जांच के भवानीपुर के स्ट्रॉन्गरूम परिसर में एंट्री दी गई।

वहीं स्ट्रॉन्गरूम में ममता बनर्जी करीब 4 घंटे रहीं थीं। ममता ने आरोप लगाया कि राज्य की कई सीटों पर जानबूझकर मतगणना रोकी गई। भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। ममता ने दावा किया कि केंद्रीय बलों और भाजपा के दबाव में काम हो रहा है। काउंटिंग की शाम करीब 8 बजे ममता काउंटिंग सेंटर से बाहर आईं और कहा कि उनके पोलिंग एजेंट को जबरन बाहर निकाला गया। ममता का आरोप था कि उन्हें धक्का दिया गया और काउंटिंग सेंटर में प्रवेश नहीं करने दिया गया। उन्होंने कहा- मुझे मारा-पीटा गया। शुभेंदु अधिकारी ने ममता के आरोपों को खारिज किया था। उन्होंने कहा था कि ममता ड्रामेबाजी कर रही हैं और इससे चुनाव परिणाम नहीं बदलने वाला। शुभेंदु ने कहा था कि ममता हार की आशंका से परेशान हैं और ईवीएम से जुड़े आरोप निराधार हैं।

बंगाल में भाजपा पहली बार जीती: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को घोषित हुए थे। भाजपा ने 208 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया था, जबकि तृणमूल कांग्रेस (TMC) को 80 सीटें मिली थीं। इसके बाद शुभेंदु अधिकारी राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। शुभेंदु अधिकारी ने 2021 में नंदीग्राम सीट पर ममता बनर्जी को करीब 1,956 वोटों से हराया था। 17 जून 2021 को ममता बनर्जी ने कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर की थी। इसमें नंदीग्राम से शुभेंदु अधिकारी की जीत को चुनौती दी।

दिल्ली समेत उत्तर-पश्चिम भारत में तीन दिनों तक हल्की बारिश के आसार

एजेंसी, नई दिल्ली

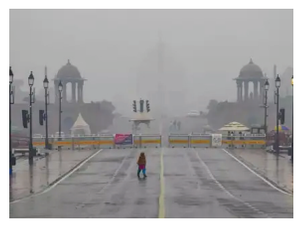

दिल्ली समेत उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और तेज हवाओं का दौर अगले तीन दिनों तक जारी रहने के आसार हैं। इस दौरान अधिकांश जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस तक गिर जाएगा।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली में 17 जून को सुबह और दोपहर के दौरान तेज हवाओं तथा गरज के साथ हल्की बारिश होने के आसार हैं। इस दिन अधिकतर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5 से 1.5 डिग्री सेल्सियस) रहेगा, जबकि कुछ जगहों का अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6 से -3.0 डिग्री सेल्सियस) रहेगा। पश्चिम दिशा से हवा चलने का अनुमान है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 25 किमी प्रति घंटा हो जाएगी जबकि शाम में यही गति घटकर 15 किमी प्रति घंटा रह जाएगी।

गुरुवार को भी हवाओं के झोंको और गरज के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तथा न्यूनतम तापमान क्रमशः 35-37 डिग्री सेल्सियस और 27-29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। शुक्रवार को भी यही स्थिति रहेगी और तापमान में थोड़ा बहुत उतार-चढ़ाव रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग के मुताबिक 18-22 जून के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में हल्की से मध्यम और उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में कुछ जगहों पर गरज के साथ बारिश होने के आसार हैं। इस सप्ताह पूर्वोत्तर भारत और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम में कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। विदर्भ में 19 जून तक, तेलंगाना में 18 जून तक और छत्तीसगढ़ में 17 जून तक कुछ इलाकों में लू चलने की बहुत संभावना है।

अवैध रूप से रह रहे 13 बांग्लादेशी नागरिक पकड़ाए

एजेंसी, गुरुग्राम (हरियाणा)

राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून व्यवस्था के मद्देनजर गुरुग्राम पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। क्राइम ब्रांच सेक्टर-39 की टीम ने विशेष चेकिंग अभियान चलाकर 13 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। सभी के पास बांग्लादेश की नागरिकता के दस्तावेज मिले हैं। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने मंगलवार को बताया कि पुलिस अब कानूनी प्रक्रिया के तहत इन्हें डिपोर्ट करेगी।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) हितेश यादव के नेतृत्व में यह कार्रवाई महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर की गई। टीम ने गुरुग्राम की विभिन्न निर्माणाधीन साइट्स और झुग्गियों में छापेमारी कर संदिग्धों की पहचान और नागरिकता सत्यापित की। जांच में सामने आया कि ये सभी लोग कालियागंज बॉर्डर से बांग्लादेशी एजेंट की मदद से अवैध रूप से भारत में घुसे और मजदूर बनकर रहने लगे।

पुलिस उपायुक्त हितेश यादव ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने किराएदारों, घरेलू सहायकों, कर्मचारियों और होटल व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत लोगों का पुलिस सत्यापन जरूर करवाएं। उन्होंने आरडब्ल्यूए और स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील की है।

दीपके बोले-जयपुर में आरएसएस के लोगों ने हमला किया, जो उनके खिलाफ, उसका यही अंजाम

एजेंसी, नागपुर

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके ने मंगलवार को आरोप लगाया कि जयपुर में उन पर हुए हमले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी RSS के लोगों का हाथ था। अभी दीपके नागपुर में है। यहां 4 बजे संविधान चौक पर पार्टी का प्रदर्शन है। उन्होंने कहा- 'जब भी कोई सरकार या उसकी विचारधारा के खिलाफ बोलता है, तो ऐसा ही होता है। इसमें कुछ नया नहीं है।' कल यानी 15 जून को कॉकरोच जनता पार्टी ने जयपुर में प्रदर्शन किया था। इस दौरान भीड़ में शामिल युवकों ने दीपके को थप्पड़ मारे थे।

वहीं, CJP के इंस्टाग्राम अकाउंट पर 2 लाख फॉलोअर्स कम हो गए हैं। 16 जून को पार्टी के इंस्टाग्राम पर 2.25 करोड़ फॉलोअर्स हैं। 6 जून को दिल्ली में CJP के पहले प्रदर्शन से पहले इंस्टाग्राम पर 2.21 करोड़ फॉलोअर्स थे। अगले दिन 7 जून को 24 घंटे के भीतर 2.27 करोड़ फॉलोअर्स हो गए थे। कॉकरोच जनता पार्टी नीट पेपर लीक, CBSE परीक्षा में गड़बड़ी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दे को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र

प्रधान का इस्तीफा मांग रही है। इसके लिए देशभर में प्रदर्शन कर रही है।

नागपुर में सुरक्षा कड़ी, पूरे शहर में 640 पुलिसकर्मी तैनात: जयपुर की घटना के बाद नागपुर में CJP के प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की संभावना जताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शन में 2000 से ज्यादा युवा शामिल हो सकते हैं। पुलिस ने शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। 4 डीसीपी, 3 एसीपी, 45 सब इंस्पेक्टर और असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर, 470 पुरुष और 170 महिला पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। दो दंगा नियंत्रण प्लाटून (RCP) भी स्टैंडबाय पर रखे गए हैं। पुलिस कमिश्नर रविंद्रकुमार सिंगल ने कहा कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की किसी भी कोशिश पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कॉकरोच पार्टी के 2 लाख फॉलोअर्स घटे

जयपुर में युवकों ने दीपके की कॉलर पकड़ा, हमला किया: जयपुर में सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने दीपके को कंधों पर उठा रखा था। इसी बीच कुछ युवक भीड़ को चीरते हुए उनके पास पहुंचे, कॉलर पकड़कर थप्पड़ मार दिया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और तनाव बढ़ गया। गुस्साए CJP कार्यकर्ताओं ने हमलावरों को घेरकर पीट दिया, किसी तरह पुलिस ने हमलावरों को पकड़ा। पुलिस ने 5 लोगों रोहित शर्मा, राकेश गुर्जर, अजय शर्मा, कुलदीप सिंह शेखावत और निकेत को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपियों का कहना है कि वे दीपके के सोशल मीडिया पर दिए गए बयानों और CJP की कार्यशैली से नाराज थे।

ट्विशा शर्मा मौत मामला: सास गिरिबाला और पति समर्थ की न्यायिक हिरासत 30 जून तक बढ़ी

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में हुई मॉडल और एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की मौत मामले में आरोपित पति समर्थ सिंह और सास सेवानिवृत्त जज गिरिबाला सिंह की न्यायिक हिरासत 30 जून तक बढ़ा दी गई है। दोनों को न्यायिक हिरासत की अवधि मंगलवार को समाप्त होने के बाद केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भोपाल की विशेष अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किया और न्यायिक हिरासत 30 जून तक बढ़ाने की मांग की। इसके बाद अदालत ने सीबीआई का आवेदन स्वीकार करते हुए न्यायिक हिरासत बढ़ाने का आदेश दिया।

ट्विशा शर्मा पक्ष के अधिवक्ता शुभांग दीक्षित ने बताया कि गिरिबाला सिंह और समर्थ को पिछली सुनवाई के दौरान 16 जून तक न्यायिक हिरासत में भोपाल के केन्द्रीय जेल भेज दिया गया था। सीबीआई ने मंगलवार को उन्हें अदालत में पेश किया। सुनवाई के दौरान गिरिबाला सिंह ने अदालत को बताया कि जेल में उन्हें जो हिंदी और अंग्रेजी अखबार उपलब्ध कराए जा रहे हैं, उनमें उनके केस से जुड़ी खबरें काटकर अलग कर दी जाती हैं। उन्हें पूरा अखबार पढ़ने को दिया जाए। साथ ही वकीलों से मुलाकात के लिए निर्धारित 20 मिनट की समय-सीमा समाप्त की जाए। मामले की प्रकृति को देखते हुए कानूनी सलाह के लिए अधिक समय की आवश्यकता है।

गिरिबाला ने अदालत में यह भी मांग रखी कि उन्हें बेटे समर्थ सिंह के साथ एक ही समय पर अपने वकीलों से मिलने की अनुमति दी जाए। इससे कानूनी रणनीति पर बेहतर समन्वय बन सकेगा। गिरिबाला सिंह ने अदालत के सामने आपत्ति जताते हुए कहा कि ट्विशा के परिजन और रिश्तेदार मीडिया में लगातार बयान दे रहे हैं। इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी कर उन्हें सार्वजनिक बयान देने से बचने को कहा जाए। जांच के दौरान ट्विशा की दवाइयां जब्त की गई थीं, लेकिन जब्ती पंचनामा (मेमो) की कॉपी गिरिबाला या समर्थ के वकीलों को नहीं दी गई। ये दिलवाई जाए। सुनवाई के दौरान गिरिबाला सिंह ने सीबीआई द्वारा पेश किए गए न्यायिक हिरासत बढ़ाने संबंधी आवेदन की कॉपी भी मांगी। अदालत के आदेश पर ये उनके वकीलों को दे दिए गए। अधिवक्ता दीक्षित ने कहा कि सीबीआई ने अदालत को बताया कि दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट अभी तक एजेंसी को नहीं मिली है। यह रिपोर्ट जांच से जुड़ा महत्वपूर्ण दस्तावेज है।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के कथित चंदा घोटाले की कांग्रेस ने की हाईकोर्ट के न्यायाधीश से जांच की मांग

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस ने अयोध्या के श्रीराम मंदिर के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी की उच्च न्यायालय के पदस्थ न्यायाधीश से समयबद्ध जांच कराने की मांग की है। पार्टी ने आरोप लगाया कि सरकार ने देश की आस्था के साथ बड़ा छल किया है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और कांग्रेस विधानमंडल दल (सीएलपी) की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' ने मंगलवार को यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित संयुक्त पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि श्रीराम जन्मभूमि को लेकर जो जानकारियां सामने आ रही हैं, वे एक बड़े संगठित भ्रष्टाचार को दर्शाती हैं।

अजय राय ने आरोप लगाया कि पहले श्रीराम जन्मभूमि में शिलापूजन के नाम पर खूब पैसे वसूले गए, जिसका कोई लेखा-जोखा नहीं है। यह 1,400 करोड़ रुपये से ज्यादा की चोरी है। उन्होंने जमीन, निर्माण कार्य और चंदे में गड़बड़ी के आरोप लगाते हुए मोदी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा इस गंभीर मुद्दे से जुड़ी एसआईटी की रिपोर्ट एक हफ्ते में आनी चाहिए। हालांकि उन्होंने कहा कि एसआईटी में उस अधिकारी को जांच दी गई है, जिसके खिलाफ खुद महाकुंभ में मची भगदड़ से जुड़ी जांच चल रही है।

कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' ने दावा किया कि आज चढ़ावे में गड़बड़ी का मामला सामने आया है लेकिन अगर पृष्ठभूमि देखें तो जमीन अधिग्रहण के समय भी सस्ती जमीन खरीद कर ट्रस्ट को महंगे दामों पर बेची गई थी। मंदिर के आसपास सैन्य भूमि को भी नियम बदल कर बड़े-बड़े लोगों को सौंपा गया था।

संघ की राष्ट्रनिष्ठा पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार कांग्रेस के पास नहीं: आर. अशोक

एजेंसी, बेंगलुरु

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को लेकर कांग्रेस नेताओं द्वारा की जा रही टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा है कि देशभक्त संगठन आरएसएस की राष्ट्रनिष्ठा पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार कांग्रेस के पास नहीं है। अशोक ने एक्स पर कहा कि देश के विभाजन के लिए जिम्मेदार मुस्लिम लीग जैसे संगठनों के साथ राजनीतिक गठबंधन करने वाली कांग्रेस का आरएसएस पर टिप्पणी करना विडंबनापूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को पहले अपने राजनीतिक इतिहास पर आत्ममंथन करना चाहिए।

अशोक ने विधानसौधा के सामने कथित 'पाकिस्तान जिंदाबाद' नारेबाजी की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय राज्य सरकार और मंत्री प्रियंक खरगे ने उचित कार्रवाई नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि देशविरोधी मानसिकता रखने वालों का समर्थन करने वाले लोग अब आरएसएस की वैधता और राष्ट्रसेवा पर प्रश्न उठा रहे हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

विपक्ष के नेता ने कहा कि कांग्रेस में आगामी मुख्यमंत्री पद के संभावित दावेदारों के बीच प्रतिस्पर्धा चल रही है और प्रियंक खरगे पार्टी नेतृत्व का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से आरएसएस का मुद्दा उठा रहे हैं। उनके अनुसार, वर्ष 2028 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर राजनीतिक रणनीति के तहत इस प्रकार के बयान दिए जा रहे हैं। अशोक ने आरोप लगाया कि सूचना प्रौद्योगिकी, ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों के निर्वहन में प्रियंक खरगे विफल रहे हैं।

आईआईटी जोधपुर का नया शोध, अब कैंसर मरीजों के लिए डॉक्टरों को सही दवा चुनने में मिलेगी मदद

एजेंसी, जोधपुर

व्यक्तिगत (पर्सनलाइज्ड) कैंसर उपचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जोधपुर के शोधकर्ताओं ने ऐसे नई पीढ़ी के प्रेडिक्टिव बायोमार्कर्स विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। अब डॉक्टर यह अनुमान लगाने में सक्षम होंगे कि कौन-से कैंसर मरीज कीमोथेरेपी या अन्य कैंसर-रोधी उपचारों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर सकते हैं। इस शोध से चिकित्सकों को उपचार शुरू होने से पहले ही सही मरीज के लिए सही दवा चुनने में मदद मिलेगी।

भारत में हर वर्ष लगभग 5.9 लाख से अधिक लोगों की कैंसर से मृत्यु होती है। आधुनिक उपचार पद्धतियों के बावजूद बड़ी संख्या में मरीज उपचार के प्रति प्रतिरोध विकसित कर लेते हैं, जिससे उपचार की प्रभावशीलता कम हो जाती है। इसी चुनौती से निपटने के लिए आईआईटी जोधपुर के वैज्ञानिक कैंसर बायोलॉजी, प्रिसीजन मेडिसिन और ट्रांसलेशनल थेरेप्यूटिक्स के क्षेत्र में अत्याधुनिक अनुसंधान कर रहे हैं। इस शोध का नेतृत्व आईआईटी जोधपुर के बायोसाइंस एवं बायोइंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर एवं ट्यूमर माइक्रोएनवायरनमेंट लेबोरेटरी के प्रमुख डॉ. दिनेश कुमार अहिरवार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि शोध का उद्देश्य यह समझना है कि कुछ मरीज उपचार का बेहतर लाभ क्यों प्राप्त करते हैं जबकि अन्य मरीजों में उपचार प्रभावी नहीं होता। उपचार प्रतिरोध के पीछे कार्यरत आणविक और कोशिकीय तंत्रों की पहचान कर चिकित्सकों को बेहतर उपचार निर्णय लेने में सहायता प्रदान की जा सकेगी। शोध दल कैंसर कोशिकाओं का अध्ययन करने के लिए सिंगल-सेल सीक्वेंसिंग, मल्टीकलर हाई-पैरामीटर फ्लो साइटोमेट्री, आधुनिक आणविक जीवविज्ञान तकनीकों और कम्प्यूटेशनल विश्लेषण का उपयोग कर रहा है। इन तकनीकों की मदद से ट्यूमर के भीतर मौजूद अलग-अलग कैंसर कोशिकाओं का गहन अध्ययन संभव हो रहा है, जिससे दवा प्रतिरोध के कारणों को समझने में सहायता मिल रही है।

वैज्ञानिकों ने उपचार-प्रतिरोधी ट्यूमर में सक्रिय विशेष आणविक मार्गों की पहचान भी की है। इसके आधार पर पहले से स्वीकृत दवाओं को कीमोथेरेपी के साथ मिलाकर उपयोग करने की संभावनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इस ड्रग रिपर्पजिंग रणनीति से नई दवाओं के विकास में लगने वाले समय और लागत को कम करते हुए उपचार की सफलता बढ़ाई जा सकती है।

शोधकर्ता उन्नत प्रीक्लिनिकल कैंसर मॉडल, ह्यूमनाइज्ड माउस मॉडल और मरीज-विशिष्ट लंग-ऑन-चिप सिस्टम का भी उपयोग कर रहे हैं। ये तकनीकें मानव शरीर में उपचार के प्रभावों का अधिक सटीक आकलन करने में सहायक हैं। इसके अलावा यह शोध सिलिकोसिस जैसी व्यावसायिक बीमारियों के अध्ययन में भी उपयोगी साबित हो सकता है।

ड्रग्स (फिफ्थ अमेंडमेंट) रूल्स, 2026 लागू-अब 1,000 से कम आबादी वाले गांवों में भी बिना डॉक्टर की पर्ची, नहीं मिलेगी कफ सिरप!सरकार ने नियमों में किया बड़ा बदलाव -समग्र व्यापक विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

» ड्रग्स (फिफ्थ अमेंडमेंट) रूल्स, 2026 केवल कफ़ सिरप पर रोक या प्रिस्क्रिप्शन अनिवार्यता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की दवा सुरक्षा व्यवस्था को पुनर्गठित करने वाला एक व्यापक सुधार है

» खांसी, जुकाम और श्वसन संबंधी सामान्य रोगों में प्रयुक्त कफ सिरप बिना प्रिस्क्रिप्शन बंदिश के बावजूद ग्रामीण शहरी क्षेत्रों में आसानी से उपलब्ध होंगी- ड्रग विभाग की तात्कालिक जबरदस्त छापेमारी ज़रूरी -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत में स्वास्थ्य सुरक्षा और दवा नियमन के क्षेत्र में वर्ष 2026 एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में दर्ज किया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा 9 जून 2026 को अधिसूचित ड्रग्स (फिफ्थ अमेंडमेंट) रूल्स, 2026 केवल एक साधारण कानूनी संशोधन नहीं है, बल्कि यह देश की दवा वितरण प्रणाली,सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा और औषधीय उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में एक व्यापक सुधारात्मक पहल है। लंबे समय से कफ सिरप और अन्य औषधीय सिरपों के दुरुपयोग, मिलावट,अनधिकृत बिक्री तथा इनके कारण उत्पन्न गंभीर स्वास्थ्य संकटों को देखते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने औषधि नियम, 1945 में संशोधन कर एक ऐसा कदम उठाया है जिसका प्रभाव देश के प्रत्येक नागरिक, चिकित्सक, फार्मासिस्ट, दवा निर्माता तथा स्वास्थ्य प्रशासन पर पड़ेगा। मै एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि यह निर्णय विशेष रूप से उस पृष्ठभूमि में महत्वपूर्ण हो जाता है जब पिछले कुछ वर्षों में दुनियाँ के कई देशों में भारतीय मूल के कफ सिरपों में डाइएथिलीन ग्लाइकोल और एथिलीन ग्लाइकोल जैसे विषैले रसायनों की उपस्थिति के कारण बच्चों की मृत्यु के मामले सामने आए थे, जिससे भारत की फार्मास्युटिकल प्रतिष्ठा पर भी प्रश्नचिह्न लगे थे। भारत में औषधियों का नियमन ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 तथा उसके अंतर्गत बनाए गए ड्रग्स रूल्स, 1945 के माध्यम से किया जाता है।यह कानून औषधियों के निर्माण,परीक्षण, भंडारण, वितरण और बिक्री के लिए आधारभूत कानूनी ढांचा प्रदान करता है। समय के साथ बदलती तकनीक, नई स्वास्थ्य चुनौतियों और दवाबाजार के विस्तार को देखते हुए इन नियमों में अनेक संशोधन किए गए हैं।वर्ष 2026 का यह संशोधन भी उसी प्रक्रिया का हिस्सा है,किंतु इसका महत्व इसलिए अधिक है क्योंकि यह सीधे तौर पर आम नागरिकों द्वारा व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली दवाओं से संबंधित है। खांसी, जुकाम और श्वसन संबंधी सामान्य रोगों में प्रयुक्त कफ सिरप लंबे समय से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आसानी से उपलब्ध रहे हैं। कई स्थानों पर इन्हें बिना चिकित्सकीय परामर्श के खरीदा और बेचा जाता रहा है, जिससे दवा के दुरुपयोग, गलत उपचार तथा स्वास्थ्य जोखिमों की सटीकता से संभावना बनी रहती थी। साथियों, इस संशोधन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि सरकार ने ड्रग्स रूल्स, 1945 की अनुसूची के में मौजूद उस प्रावधान को बदल दिया है जिसके अंतर्गत कुछ परिस्थितियों में सिरपों को लाइसेंसिंग और वितरण संबंधी विशेष छूट प्राप्त थी। अनुसूची 'के' मूल रूप से ऐसी दवाओं की श्रेणियों को निर्दिष्ट करती है जिन्हें कुछ नियामकीय प्रावधानों से छूट दी जा सकती है। पहले 1,000 से कम आबादी वाले गांवों में कुछ प्रकार की खांसी की दवाओं और सिरपों की बिक्री बिना पूर्ण लाइसेंसिंग व्यवस्था के भी संभव थी। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना था। किंतु समय के साथ यह व्यवस्था कई समस्याओं का कारण बनने लगी। अनधिकृत विक्रेताओं द्वारा दवाओं का भंडारण, गलत दवाओं की बिक्री, गुणवत्ता नियंत्रण की कमी तथा दवा दुरुपयोग जैसी शिकायतें बढ़ने लगीं। इसी संदर्भ में सरकार ने अनुसूची 'के' की संबंधितप्रविष्टि से सिरप शब्द को हटाने का निर्णय लिया है।सिरप शब्द हटाए जाने का प्रभाव अत्यंत व्यापक है। अब खांसी की सिरप सहित अन्य औषधीय सिरपों को वह छूट प्राप्त नहीं होगी जो पहले उपलब्ध थी। इसका अर्थ है कि इन दवाओं की

बिक्री और वितरण अब केवल विधिवत लाइसेंस प्राप्त फार्मेसियों और अधिकृत दवा विक्रेताओं के माध्यम से ही किया जा सकेगा। इससे दवा वितरण श्रृंखला पर नियामकीय नियंत्रण मजबूत होगा और अनधिकृत दुकानों अथवा गैर-लाइसेंसधारी विक्रेताओं द्वारा सिरप बेचने की प्रथा समाप्त होगी। व्यावहारिक रूप से इसका परिणाम यह होगा कि आम नागरिकों को ऐसी दवाएं प्राप्त करने के लिए चिकित्सकीय सलाह और वैध औषधीय व्यवस्था का सहारा लेना होगा। साथियों, इस निर्णय के पीछे केवल प्रशासनिक कारण नहीं हैं, बल्कि गहरे सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी कारण भी हैं। पिछले वर्षों में दुनिया के विभिन्न देशों में कफ सिरप से जुड़ी दुखद घटनाओं ने वैश्विक स्तर पर चिंता पैदा की थी। कुछ मामलों में सिरप निर्माण के दौरान प्रयुक्त सॉल्वेंट्स में डाइएथिलीन ग्लाइकोल औरएथिलीन ग्लाइकोल जैसे विषैले तत्व पाए गए, जिनके सेवन से बच्चों की मृत्यु तक हुई। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि तरल दवाओं के निर्माण और वितरण पर अधिक कठोर निगरानी की आवश्यकता है। भारत, जो विश्व की प्रमुख जेनेरिक दवा उत्पादक शक्ति है, के लिए यह केवल स्वास्थ्य सुरक्षा का विषय नहीं था बल्किw वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रश्न भी था। इसलिए सरकार ने न केवल बिक्री संबंधी नियमों को कठोर किया बल्कि निर्माण प्रक्रिया और गुणवत्ता नियंत्रण मानकों को भी सुदृढ़ बनाने की दिशा में कदम उठाए। साथियों, इसी संदर्भ में गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस तथा अनुसूची 'एम' में किए गए सुधार भी उल्लेखनीय हैं। संशोधित प्रावधानों के अनुसार दवा निर्माण इकाइयों को अधिक उन्नत गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली,जोखिम प्रबंधन प्रणाली और स्वच्छता मानकों का पालन करना होगा। फार्मास्युटिकल क्वालिटी सिस्टम तथा क्वालिटी रिस्क मैनेजमेंट जैसे वैश्विक मानकों को भारतीय औषधि उद्योग में अधिक प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि निर्माण प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में गुणवत्ता नियंत्रण किया जाए और संभावित जोखिमों की समय रहते सटीकता से पहचान हो सके। साथियों,सरकार ने तरल दवाओं के लिए एथिलीन ग्लाइकोल और डाइएथिलीन ग्लाइकोल की अनिवार्य जांच को भी महत्वपूर्ण बनाया है। यह कदम विशेष रूप से बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक माना जा रहा है। किसी भी सिरप के बाजार में आने से पहले उसके रासायनिक परीक्षण और गुणवत्ता प्रमाणीकरण की प्रक्रिया अब और अधिक सख्त होगी। इससे नकली, मिलावटी या निम्न गुणवत्ता वाली दवाओं के बाजार में पहुंचने की संभावना कम होगी।हालांकि इस निर्णय के सकारात्मक पक्ष जितने महत्वपूर्ण हैं, उतनी ही गंभीर चुनौतियां भी इसके साथ जुड़ी हुई हैं। भारत की एक बड़ी आबादी आज भी ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में निवास करती है,जहां स्वास्थ्य अवसंरचना सीमित है। अनेक गांवों में न तो पर्याप्त चिकित्सक उपलब्ध हैं और न ही लाइसेंस प्राप्त फार्मेसियां। पहले जहां स्थानीय दुकानों पर कफ सिरप आसानी से उपलब्ध हो जाता था,अब वहां के लोगों को दवा प्राप्त करने के लिए नजदीकी कस्बों या शहरों का रुख करना पड़ सकता है।इससे समय,धन और संसाधनों की अतिरिक्त आवश्यकता होगी। विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों और गरीब परिवारों के लिए यह एक व्यावहारिक चुनौती बन सकती है। साथियों, फिर भी सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि अल्पकालिक असुविधा की तुलना में दीर्घकालिक स्वास्थ्य सुरक्षा अधिक महत्वपूर्ण है। यदि अनधिकृत बिक्री के कारण घटिया या खतरनाक दवाएं लोगों तक पहुंचती हैं तो उसका नुकसान कहीं अधिक गंभीर हो सकता है।इसलिए सरकार का प्रयास यह प्रतीत होता है कि दवा उपलब्धता और दवा सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। आने वाले समय में यदि ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक लाइसेंस प्राप्त मेडिकल स्टोर और टेलीमेडिसिन सुविधाएं विकसित की जाती हैं, तो इस चुनौती को काफी हद तक कम किया जा सकता है। साथियों, इस संशोधन का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलूदवा दुरुपयोग की रोकथाम से जुड़ा हुआ है। कई प्रकार के कफ सिरप में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जिनका अनुचित उपयोग नशे के लिए किया जा सकता है। युवाओं और किशोरों में कुछ सिरपों के दुरुपयोग की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रही हैं। बिना चिकित्सकीय निगरानी के इन दवाओं की उपलब्धता स्वास्थ्य और सामाजिक दोनों दृष्टियों से चिंता का विषय रही है। नए नियमों के माध्यम से सरकार ने इस जोखिम को कम करने का प्रयास किया है ताकि दवाओं का उपयोग केवल चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुरूप ही सटीकता से हो। यह भी उल्लेखनीय है कि यह निर्णय अचानक नहीं लिया गया। दिसंबर 2025 में केंद्र सरकार ने मसौदाअधिसूचना जारी कर सार्वजनिक सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की थीं। दवा उद्योग, चिकित्सा विशेषज्ञों, नियामक संस्थाओं और अन्य हितधारकों से प्राप्त सुझावों का अध्ययन करने के बाद अंतिम नियम अधिसूचित किए गए। इस पूरी प्रक्रिया में ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड से भी परामर्श लिया गया। इससे स्पष्ट होता है कि यह संशोधन व्यापक विचार-विमर्श और वैज्ञानिक मूल्यांकन के आधार पर सटीकता से किया गया है। साथियों, वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो भारत का यह कदम उन विकसित देशों की नीतियों के अनुरूप है जहां औषधीय सिरपों की बिक्री पर कठोर नियंत्रण रखा जाता है। अमेरिका, यूरोप, जापान और अन्य विकसित स्वास्थ्य प्रणालियों में दवा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दीजाती है। वहां निर्माण से लेकर वितरण तक प्रत्येक चरण पर कठोर नियामकीय निगरानी होती है। भारत भी अब उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है, जिससे उसकी फार्मास्युटिकल प्रणाली अधिक विश्वसनीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बन सके। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि , ड्रग्स (फिफ्थ अमेंडमेंट) रूल्स, 2026 केवल कफ सिरप पर रोक या प्रिस्क्रिप्शन अनिवार्यता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की दवा सुरक्षा व्यवस्था को पुनर्गठित करने वाला एक व्यापक सुधार है। इसका उद्देश्य दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करना, मिलावट और दुरुपयोग को रोकना, ग्रामीण क्षेत्रों में भी सुरक्षित औषधि वितरण को बढ़ावा देना तथा भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग को वैश्विक गुणवत्ता मानकों के अनुरूप बनाना है।यद्यपि इसके क्रियान्वयन में कुछ व्यावहारिक चुनौतियां सामने आएंगी फिर भी जनस्वास्थ्य की दृष्टि से यह एक दूरदर्शी और आवश्यक कदम माना जा सकता है। आने वाले वर्षों में इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि सरकार, स्वास्थ्य संस्थाएं, दवा उद्योग और समाज मिलकर इसे कितनी प्रभावी ढंग से लागू करते हैं। भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में यह सुधार न केवल नागरिकों की सुरक्षा को मजबूत करेगा बल्कि विश्व मंच पर देश की औषधीय विश्वसनीयता को भी नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9226229318

वीरता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के अमर प्रतीक

लेखक- कांतिलाल मांडोत

भारत के इतिहास में अनेक ऐसे महापुरुष हुए हैं जिन्होंने अपने साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम से आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का मार्ग प्रशस्त किया। ऐसे ही महान योद्धाओं में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। महाराणा प्रताप केवल मेवाड़ के शासक ही नहीं थे, बल्कि वे भारतीय स्वाभिमान, स्वतंत्रता और अदम्य साहस के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण मातृभूमि, संस्कृति और सम्मान की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। यही कारण है कि सदियों बाद भी उनका नाम करोड़ों भारतीयों के हृदय में श्रद्धा और गौरव के साथ लिया जाता है। महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ दुर्ग में हुआ था। वे मेवाड़ के सिसोदिया राजवंश के महान शासक थे। उनके पिता महाराणा उदयसिंह द्वितीय और माता जयवंता बाई थीं। बचपन से ही प्रताप में वीरता, नेतृत्व क्षमता और स्वाभिमान के गुण दिखाई देने लगे थे। कहा जाता है कि उन्होंने अपनी माता से ही साहस, शौर्य और युद्धकला की प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की थी। आगे चलकर यही गुण उन्हें भारतीय इतिहास के सबसे महान योद्धाओं में शामिल करने वाले बने। महाराणा प्रताप की जयंती को लेकर देशभर में विशेष उत्साह रहता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार उनका जन्म 9 मई 1540 को हुआ था, इसलिए अनेक स्थानों पर इसी दिन जयंती समारोह आयोजित किए जाते हैं। वहीं मेवाड़ क्षेत्र में सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार उनकी जयंती हिन्दू पंचांग की ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया तिथि को मनाई जाती है। वर्ष 2026 में यह तिथि 17 जून को पड़ रही है। मेवाड़ के लोगों के लिए यह केवल एक जयंती नहीं बल्कि अपनी गौरवशाली विरासत और संस्कृति का उत्सव है। महाराणा प्रताप का जीवन संघर्षों से भरा हुआ था। जब वे मेवाड़ के शासक बने, उस समय मुगल सम्राट अकबर अपनी सत्ता का विस्तार कर रहा था। अधिकांश राजपूत राजाओं ने अकबर की अधीनता स्वीकार कर ली थी, लेकिन महाराणा प्रताप ने अपने स्वाभिमान और स्वतंत्रता से कभी समझौता नहीं किया। अकबर ने कई बार दूत भेजकर उन्हें अपनी अधीनता स्वीकार करने का प्रस्ताव दिया, किंतु प्रताप ने हर बार उसे अस्वीकार कर दिया। उनका मानना था कि मातृभूमि की स्वतंत्रता किसी भी कीमत पर नहीं बेची जा सकती।

महाराणा प्रताप और अकबर के बीच संघर्ष का सबसे प्रसिद्ध अध्याय हल्दीघाटी का युद्ध है। 18 जून 1576 को राजस्थान के गोगुंदा के समीप हल्दीघाटी में यह ऐतिहासिक युद्ध लड़ा गया। महाराणा प्रताप के पास सीमित संसाधन और अपेक्षाकृत छोटी सेना थी, जबकि मुगल सेना संख्या और साधनों में कहीं अधिक शक्तिशाली थी। इसके बावजूद प्रताप और उनके सैनिकों ने अद्भुत साहस का परिचय दिया। इस युद्ध में भील समुदाय ने भी महाराणा का पूरा साथ दिया। युद्ध कई घंटों तक चला और रणभूमि वीरता की असंख्य गाथाओं की साक्षी बनी। हल्दीघाटी के युद्ध का कोई निर्णायक परिणाम नहीं निकला, लेकिन इस युद्ध ने यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए लड़ी जाने वाली लड़ाई केवल संख्या या संसाधनों के आधार पर नहीं जीती जाती। महाराणा प्रताप घायल होने के बावजूद जीवित बचे और संघर्ष जारी रखा। उनका प्रिय घोड़ा चेतक भी इस युद्ध में अपनी अद्भुत स्वामीभक्ति के कारण अमर हो गया। चेतक ने गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी अपने स्वामी को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया और फिर वीरगति को प्राप्त हुआ। आज भी चेतक का नाम निष्ठा और समर्पण के प्रतीक के रूप में लिया जाता है। हल्दीघाटी के युद्ध के बाद महाराणा प्रताप ने हार नहीं मानी। उन्होंने अरावली की पहाड़ियों, जंगलों और दुर्गम क्षेत्रों में रहकर संघर्ष जारी रखा। कई बार उन्हें और उनके परिवार को अत्यंत कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। भोजन के अभाव में घास की रोटियां तक खानी पड़ीं, लेकिन उन्होंने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि सच्चा नेतृत्व विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करता। महाराणा प्रताप की सबसे बड़ी विशेषता उनका अटूट आत्मसम्मान था। उन्होंने जीवनभर स्वतंत्रता को सर्वोच्च महत्व दिया। वे जानते थे कि संघर्ष कठिन है, फिर भी उन्होंने अपने लोगों और अपनी संस्कृति की रक्षा के लिए हर चुनौती स्वीकार की। यही कारण है कि उनका नाम भारतीय इतिहास में स्वतंत्रता के अग्रदूतों में लिया जाता है।

राम मंदिर में दानपात्र में गड़बड़ी हुई है तो उसपर विश्वास करें आपस में ना लड़े

लेखक- संजय गोस्वामी

राम मंदिर अयोध्या में 500 सालों के बाद बना और समाज बादी पार्टी के नेता श्री अखिलेश यादव ने दान सम्पति पर करोड़ो के गबनहोने का आरोप लगा लिया है। इस मामले में अब गजब का माहौल देखने को मिल रहा है इसमें अब तक दो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है, उनके पास से लाखों रुपये की बरामदगी भी कई है। मामला बढ़ने के बाद जांच तेज कर दी गई इस मामले पर चिंता जताने वाले नेताओं में अब ,सीनियर बीजेपी नेता और राम जन्मभूमि आंदोलन के अनुभवी नेता विनय कटियार भी शामिल हो गए हैं।रविवार को अपने घर पर पत्रकारों से बात करते हुए कटियार ने कहा कि अगर ट्रस्टी खुद ही गड़बड़ी में शामिल पाए जाते हैं, तो इससे मंदिर प्रोजेक्ट का मकसद ही क्या ।कटियार ने कहा कि प्रधानमंत्री के हस्तक्षेप के बाद इस मामले में एसआईटी गठित की गई है और अब दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा इसमें मंदिर के ट्रस्टी चंपत को कटघरे में खड़ा किया जा रहा है बाद में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ। अनिल मिश्रा और परिसर व्यवस्थापक गोपाल राव हैं, जिन पर मंदिर व्यवस्था की जिम्मेदारी होने की बात कही जा रही है। जानकारी के अनुसार 7 जून को चढ़ावे की गिनती के दौरान एक कर्मचारी सीसीटीवी में नोटों की गड्डी छिपाते हुए दिखाई दिया ऐ सब का ध्यान भगवान राम पर नहीं बल्कि उस धन पर टीका है जो किसी ने दान किया होगा अब आप इस मुद्दे पर आपस में ही लड़ेंगे तो दूसरे लोग आपके धर्म का मज़ाक उड़ा देंगे इससे राम के नाम पर एक विश्वास टूटेगा भगवान हैं राम अगर किसी ने करोड़ का दान दिया तो खुश होंगे ऐसा बिलकुल नहीं है वो सेवा के प्रति अपने को मर्यादा में रहने की शक्ति देते हैं आखिर क्यों दिया भगवान राम जो दुनिया को चला रहें हैं वो पैसे के मोहताज होंगे इसी पैसे से गरीबों को बाँट देते तो सार्थक होता खैर जहाँ तक पैसा चुराने की बात है वो अंत में पैसा लेकर कहाँ जाएगा सब यहीं रहने वाला है इसलिए इस पर विवाद से बचना चाहिए आप समझदार बनो दूसरे के दुःख में काम आओ और इंसान बनने की कोशिश करे जो भगवान राम का सच्चा भक्त है वो यहाँ नहीं कहीं एकांत में उनका ध्यान कर रहा होगा और भगवान राम जब रावण को हराकर अयोध्या आए थे तो श्रीराम ने हनुमानजी की सहायता से लंका के राजा रावण को हराया था। और युद्ध जीतने के बाद वह सीता माता, लक्ष्मण जी, हनुमानजी और अपने दूसरे साथियों के साथ अयोध्या पहुँचे। जब वह अयोध्या के राजा बने तब सीता माता ने उनसे निवेदन किया कि जिन्होंने भी युद्ध जीतने में उनकी सहायता की है वह उन्हें धन्यवाद के रूप में कुछ भेंट देना चाहती हैं। सीता माता ने सबको कुछ न कुछ अनमोल भेंट दी। अब हनुमानजी की बारी थी। श्रीराम मुस्कुराते हुए बोले, "आप भला हनुमान को क्या भेंट देंगी? इनकी निस्वार्थ सेवा और भक्ति का तो कोई मोल हो ही नहीं सकता।" माता सीता ने फिर भी अपनी एक मोतियों की माला, हनुमानजी को भेंट में दी। हुनमानजी उस माला के एक-एक मोती को दाँतो से तोड़कर देखा और ज़मीन पर फ़ेंक दिया। सीता माता ने हनुमानजी से पूछा, "आपने ऐसा क्यों किया हनुमान? क्या आपको यह माला पसंद नहीं आई?" "ऐसी बात नहीं है माता, पर यह भेंट मेरे किसी काम की नहीं, क्योंकि इसमें मुझे मेरे प्रभु राम नहीं दिखे। अगर मोतियों में राम नहीं तो इनका मोल मेरे लिए मिट्टी के समान है।" "तो क्या आपके अंदर राम हैं?" सीता माता ने पूछा। सीता माता के ऐसा कहते ही हनुमानजी ने अपना सीना चीर कर सबको अपने हृदय में बसे राम-सीता की छवि के दर्शन कराए। जैसे हनुमानजी ने श्रीराम का कार्य किसी उपहार के लालच में नहीं किया बल्कि इसलिए किया क्योंकि श्रीराम की सेवा करके उन्हें आनंद मिलता था। वैसे ही क़ोई किसी चीज के लालच में ना पड़े भगवान राम का सच्चा भक्त ब्रह्मचारी होता है क्योंकि उसका प्रेम राम से है ऐ आपके सामने की कई घटना जो रामरहीम से लेकर आशाराम बापूजी तक है जो ब्रह्मचारी बनने का पाठ पढ़ाते थे आज उस नियम को तोड़ कर काम के वश में आ गए और अब जेल में अदालत के फैसला से गए हैं अतः पता नहीं ऐसे कितने बाबा होंगे जो धर्म की आड़ लेकर झूठ बोलकर आपको कुछ बताता होगा और वो भी कहीं उसी जाल में तो नहीं है? भगवान राम से सबसे बड़ी शिक्षा लेने की यह जरुरी है सच बोलो झूठ का सहारा नहीं नहीं तो एक झूठ से बचने के लिए हजार झुठ बोलना पड़ेगा और आपकी नींद ख़राब बौगी सेहत पर बुरा असर पड़ेगा राम सेवा सत्य और प्रेम में विश्वास रखते हैं एक तरफ आपके पास भौतिक बस्तु का जाल पड़ेगा फिर आप फंस इसलिए जातो हो कि ऐ सामर्थ नहीं है कि उसी के लिए जीना और उसी के लिए मरना और जब तक काम के बंधन से मुक़्त नहीं होंगे तब तक उसके लिए आप गलत काम भी कर देते हैं आपको यह अहसास नहीं होता है कि जिस माता पिता ने आपको पालन पोषण किया हैं उनको बुढ़ापे में अकेले इसलिए छोड़ देते हो कि मेरी पत्नी प्यारी है और मैं उसके साथ काम में वशीभत हो ताकि उसके साथ मजे कर सकूँ इसलिए आप भगवान राम के लाख पूजा करनेपर भी उसका प्रकाश नहीं दीखता जब दिखेगा तो फिर उसमें विलीन होने की इक्छा होगी क्योंकि वो इतना तेज है कि बाली को मोक्ष मिला और गोस्वामी तुलसीदास जी ने जब स्त्री का मोह त्याग दिया तब वो राम चरित्र मानस लिखा और दुनिया को हिंदी में भगवान राम का उपदेश सबको इसलिए बताया क्योंकि यह आपको संकट से बचाता है आपको गलत और सही का फर्क मालूम होता है एक बार मेरे पिताजी का हाथ फिसलने से टूट गया मैं मुंबई से पटना तुरंत पहुँचा वहाँ जब पिताजी को देखा तो दर्द से कराह रहें थे किसी ने बहुत ही भरोसा से बोला कि यह डॉक्टर बहुत बढ़िया है पिताजी ने विश्वास किया और जब डॉक्टर के पास गए तो वहाँ मेरी माँ भी थी माँ का एक बेटा अपनी माँ का टुटा हुआ हाथ के इलाज के लिए आया था वो बहुत कराह रही थी बाद में उसके लड़के ने बताया कि मेरा भाई ही औरत की बात में आकर माँ को मार कर इसका हाथ तोड़ दिया है मुझे बहुत दुःख हुआ कि आखिर माँ ने ऐसा क्या किया जो जान लेने पर उतारु है ऐ उसका एक नालायक बच्चा ही होगा ऐसे आजकल एक नहीं कई मामले हैं जो कोरोना काल में आपने देखा होगा देखो पहला भगवान ऊपर वाला है और अगर क़ोई दूसरा भगवान है तो आपके माता पिताजी ही हैं कुछ भी बोले उनकी बात पर गुस्सा नहीं होना नहीं तो दुनिया से जाने के बाद आपको बहुत तकलीफ होगा कौन सही हैं कौन गलत इसका पता भगवान राम के ध्यान से ही मालूम होगा और भगवान राम के ध्यान के लिए में आपको ब्रह्मवर्चस के नियम को पालन करना होगा ब्रह्मवर्चस का शाब्दिक अर्थ ब्रह्म का तेज या दिव्य आभा है। जिसने अपने दिमाग़ से काम वासना को निकाल कर फेंक दिया समझ लेना वह ब्रह्मवर्चस का नियम पालन कर सकता है जो अध्यात्म में, यह वह उत्कृष्ट आत्मबल, सात्विक ऊर्जा और ज्ञान-तेज है जो एक साधक को कठोर तपस्या और शुद्ध जीवनशैली से प्राप्त होता है। भगवान राम अब ब्रह्मचारी वह व्यक्ति है जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्तर पर पवित्रता और संयम का पालन करता है ब्रह्मचर्य केवल विवाह न करना या वासना से दूर रहना नहीं है, बल्कि यह एक संपूर्ण जीवनशैली है, जिसे भगवान राम ने अपनाया था,एक सच्चे ब्रह्मचारी के मन में वासना या कामुक विचार नहीं आते हैं वह वासना पर नियंत्रण रखता है सभी इंद्रियों (आंख, कान, नाक, जीभ, त्वचा) को वश में रखता है ब्रह्मचारी अपने वीर्य या प्राण-ऊर्जा की रक्षा करता है।

शिक्षा में एक नये युग एवं शैक्षिक क्रांति की आहट

लेखक- ललित गर्ग

आज पूरी दुनिया शिक्षा के एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां ज्ञान का विस्तार तो अभूतपूर्व हुआ है, लेकिन जीवन मूल्यों का क्षरण भी उतनी ही तेजी से दिखाई देता है। विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को सुविधासंपन्न बनाया है, लेकिन मानसिक तनाव, हिंसा, प्रतिस्पर्धा, नैतिक संकट और मानवीय संवेदनाओं के क्षय जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। शिक्षा के क्षेत्र में यह प्रश्न लगातार गूंज रहा है कि क्या वर्तमान शिक्षा व्यवस्था वास्तव में मनुष्य का निर्माण कर रही है या केवल पेशेवर और उपभोक्तावादी समाज का निर्माण कर रही है? ऐसे समय में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा प्रारंभ की गई आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल की योजना एक नई आशा, नई दृष्टि और नए शैक्षणिक दर्शन के रूप में सामने आई है। यह केवल विद्यालयों की स्थापना की योजना नहीं है, बल्कि शिक्षा को उसके मूल उद्देश्य से जोड़ने का एक महाअभियान है। महासभा ने देशभर में लगभग सौ विद्यालयों की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में राजस्थान के श्रीडूंगरगढ़, गंगाशहर और नोखा तथा गुजरात के भुज में विद्यालयों का निर्माण और शैक्षणिक गतिविधियां तीव्र गति से संचालित हैं। इन विद्यालयों की स्थापना के पीछे केवल आधुनिक शिक्षण संस्थान खड़े करने की भावना नहीं है, बल्कि ऐसी शिक्षा संस्कृति विकसित करने का संकल्प है जो ज्ञान के साथ संस्कार, विज्ञान के साथ विवेक और सफलता के साथ संवेदनशीलता का समन्वय स्थापित कर सके। तेरापंथ धर्मसंघ की शिक्षा-दृष्टि सदैव व्यापक, मानवीय और दूरदर्शी रही है। इस परंपरा में शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्ति का माध्यम नहीं माना गया, बल्कि व्यक्ति के समग्र विकास का आधार समझा गया है। तेरापंथ के आचार्यों ने समय-समय पर यह स्पष्ट किया कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को भीतर से समृद्ध बनाना है। यदि शिक्षा केवल बुद्धि को विकसित करे और हृदय को उपेक्षित छोड़ दे, तो वह अधूरी शिक्षा है। यदि वह ज्ञान तो दे लेकिन चरित्र न बनाए, तो वह समाज के लिए संकट भी उत्पन्न कर सकती है। आचार्य श्री तुलसी ने इस आवश्यकता को बहुत पहले पहचान लिया था। उन्होंने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से नैतिकता को सामाजिक जीवन के केंद्र में स्थापित करने का प्रयास किया। उनका मानना था कि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का वास्तविक विकास नैतिक आधार पर ही संभव है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों को स्थापित करने के लिए नैतिक पाठमाला और नैतिक शिक्षा परीक्षाओं का अभिनव प्रयोग प्रारंभ किया। उस समय यह केवल एक शैक्षणिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन का अभियान था। लाखों विद्यार्थियों ने इन कार्यक्रमों के माध्यम से सत्य, अहिंसा, अनुशासन, संयम, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता जैसे मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा प्राप्त की। आचार्य महाप्रज्ञ ने इस विचारधारा को और अधिक वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक रूप प्रदान किया। उन्होंने जीवन विज्ञान के रूप में एक ऐसा शैक्षणिक मॉडल प्रस्तुत किया जिसमें शिक्षा को शरीर, मन, भावना और चेतना के विकास से जोड़ा गया। जीवन विज्ञान ने विद्यार्थियों को केवल परीक्षा में सफल होने की तैयारी नहीं दी, बल्कि तनावमुक्त जीवन, भावनात्मक संतुलन, आत्मानुशासन और सकारात्मक सोच की दिशा भी प्रदान की। आज जब दुनिया मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक शिक्षा पर गंभीरता से विचार कर रही है, तब यह अनुभव होता है कि जीवन विज्ञान जैसी अवधारणाएं अपने समय से बहुत आगे की सोच थीं। आचार्य महाश्रमण ने इस समूची परंपरा को एक नई ऊंचाई प्रदान की है। उनका व्यक्तित्व ज्ञान, साधना, अनुशासन, अहिंसा और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत समन्वय है। उनकी दृष्टि में शिक्षा केवल मस्तिष्क के विकास तक सीमित नहीं रह सकती। उसे मनुष्य के भीतर छिपी नैतिक, आध्यात्मिक और मानवीय संभावनाओं को भी जागृत करना होगा। इसी कारण उनके नाम पर स्थापित आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल केवल आधुनिक शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थान नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि देने वाले केंद्र बनने की क्षमता रखते हैं। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल का मूल मंत्र-"ज्ञान, मूल्य और चरित्र" है जो वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता को अभिव्यक्त करता है। आज अधिकांश शैक्षणिक संस्थानों में ज्ञान और कौशल पर तो पर्याप्त ध्यान दिया जाता है, लेकिन मूल्य और चरित्र का पक्ष अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देता है। परिणामस्वरूप समाज में बौद्धिक प्रगति तो होती है, परंतु नैतिक और मानवीय संकट भी बढ़ते जाते हैं। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इस असंतुलन को दूर करने का एक सार्थक एवं प्रभावी प्रयास साबित होगा। यहां शिक्षा का लक्ष्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि ज्ञान को विवेक में और विवेक को चरित्र में रूपांतरित करना है। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 भी इसी प्रकार की समग्र शिक्षा की आवश्यकता पर बल देती है। नई शिक्षा नीति में बहुआयामी विकास, जीवन कौशल, भारतीय ज्ञान परंपरा, मूल्य आधारित शिक्षा और समग्र व्यक्तित्व निर्माण को विशेष महत्व दिया गया है। किंतु किसी भी नीति की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसे व्यवहार में उतारने वाले संस्थान कितने सक्षम हैं। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इस दृष्टि से नई शिक्षा नीति के जीवंत और प्रभावी मॉडल बन सकते हैं। यहां आधुनिक पाठ्यक्रम, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी दक्षता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की तैयारी के साथ-साथ नैतिकता, आत्मानुशासन, सह-अस्तित्व और आध्यात्मिक चेतना को भी समान महत्व दिया जाता है। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष और प्रख्यात उद्योगपति महेंद्र नाहटा के अनुसार इस परियोजना को महासभा की प्रमुख शैक्षणिक गतिविधि के रूप में विकसित किया है। इन स्कूलों के उद्देश्य एवं उनकी दूरदृष्टि इस योजना को सामान्य विद्यालय परियोजना से कहीं अधिक व्यापक बनाती है।

जीएनपीएस रेड ने जीता जूनियर प्रीमियर लीग अंडर-13 टूर्नामेंट

- फाइनल मुकाबले में 49 रनों से दर्ज की शानदार जीत

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर 36 स्थित गुरु नानक पब्लिक स्कूल क्रिकेट एकेडमी के मैदान पर आयोजित जूनियर प्रीमियर लीग अंडर-13 क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य समापन हो गया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में जीएनपीएस रेडने शानदार और आक्रामक प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम को 49 रनों से करारी शिकस्त देकर खिताबी ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान नन्हे खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल भावना, गजब के अनुशासन और उत्कृष्ट क्रिकेट कौशल का प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के

उपाध्यक्ष पीएमएस बांगा रहे मुख्य अतिथि टूर्नामेंट के समापन और पुरस्कार वितरण समारोह में पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष श्री पीएमएस बांगा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। स्कूल की प्रिंसिपल गुरनाम कौर ग्रेवाल, जीएनपीएस क्रिकेट एकेडमी के मुख्य कोच काकू तथा मुख्य आयोजक जगतेश्वर सिंह ने मुख्य अतिथि बांगा के साथ मिलकर संयुक्त रूप से विजेता और उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को चमचमाती ट्रॉफियां एवं व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए। इस दौरान अतिथियों ने युवा खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई करते हुए उन्हें खेलों में निरंतर कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य अतिथि का संबोधन : समारोह को संबोधित करते हुए पीसीए उपाध्यक्ष पीएमएस बांगा ने कहा, 'जमीनी (ग्रासरूट) स्तर पर आयोजित होने वाले ऐसे टूर्नामेंट देश के लिए भविष्य के क्रिकेट सितारों को तराशने और उन्हें पहचान दिलाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बच्चों को इतनी कम उम्र में ऐसा प्रतिस्पर्धी मंच उपलब्ध कराने के लिए आयोजन समिति बधाई की पात्र है।'

केप वर्डे के सामने स्पेन बेबस

नहीं कर पाया एक भी गोल, बेल्जियम-उरुग्वे को भी नहीं मिली जीत

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का कारवां धीरे-धीरे आगे बढ़ता जा रहा है और अब तक हमें कई बेहतरीन मुकाबले देखने को मिले हैं। इस इवेंट के 5वें दिन बेहद मजबूत टीम स्पेन और पहली बार वर्ल्ड कप खेल रही केप वर्डे के बीच जिस तरह का मैच हुआ उसने सबको चौंका दिया। कमाल की बात ये रही कि इस सीजन में डेब्यू करने वाली टीम ने स्पेन को एक भी गोल नहीं करने दिया और दोनों टीमों के बीच मैच 0-0 के अंतर से समाप्त हुआ।

वहीं इस वर्ल्ड कप के 5वें दिन हुए अन्य मुकाबलों में मिस्र ने भी बेल्जियम जैसी मजबूत टीम को बेहद कड़ी टक्कर दी और दोनों के बीच मैच एक-एक की बराबरी पर समाप्त हुआ तो वहीं ग्रुप ए के मुकाबले में सऊदी अरब ने उरुग्वे को नहीं जीतने दिया और ये मैच भी एक-एक की बराबरी पर खत्म हुआ। यानी पांचवें दिन स्पेन, मिस्र और उरुग्वे को अपने-अपने मैचों में जीत नहीं मिला और इन टीमों को ड्रॉ खेलना पड़ा।

उरुग्वे-सऊदी अरब का मैच रहा ड्रॉ- ग्रुप एच के दूसरे मैच में उरुग्वे का सामना सऊदी अरब के साथ हुआ जो काफी रोमांचक रहा। इस मुकाबले में सऊदी अरब ने पहले हाफ में एक गोल करके बढ़त बना ली थी। सऊदी अरब के लिए ये गोल अब्दुलेलाह अल अमरी ने की थी।

दूसरे हाफ में उरुग्वे ने सऊदी अरब पर दवाब बनाया और मैच समाप्त होने में जब दस मिनट बचे थे तब मैक्सी अराउजो ने गोल करके टीम के स्कोर को 1-1 की बराबरी पर ला दिया और अपनी टीम को हार से बचा लिया।

स्पेन है खिताब का प्रबल दावेदार

स्पेन को इस बार भी खिताब के प्रबल दावेदारों में से एक माना जा रहा है, लेकिन इस टीम की केप वर्डे के खिलाफ एक भी नहीं चली और इसके खिलाफ स्पेन एक भी गोल करने में सफल नहीं हो पाया। वहीं स्पेन ने भी केप वर्डे को एक भी गोल नहीं करने दिया और नतीजा अंत में 0-0 का रहा। इस मैच में केप वर्डे से 40 साल के अनुभवी गोलकीपर वोजिन्हा ने गजब का खेल दिखाया और उन्होंने अपने गोल पोस्ट में स्पेन के एक भी शॉट को अंदर नहीं आने दिया।

बेल्जियम-मिस्र का मैच रहा ड्रॉ

ग्रुप जी के मुकाबले में मिस्र के सामने बेल्जियम की चुनौती थी और दो मजबूत टीमों के बीच हुआ ये मैच काफी रोमांचक रहा।

मिस्र के स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सालाह ने पहले हाफ के 19वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी, लेकिन इसके बाद ये टीम मैच के अंत तक कोई गोल नहीं कर पाया।

स्वीडन का दमदार आगाज

ट्यूनीशिया को 5-1 से रौंदा

मॉन्टेरी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप एफ मुकाबले में सोमवार को स्वीडन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्यूनीशिया को 5-1 से रौंदा। मॉन्टेरी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में स्वीडन का पूरी तरह से दबदबा देखने को मिला और टीम ने ट्यूनीशिया को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। स्वीडन की ओर से यासीन अयारी, अलेक्जेंडर इसाक और विक्टर ग्योकेरेस ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और टीम की बड़ी जीत में अहम भूमिका निभाई। मैच की शुरुआत से ही स्वीडन ने आक्रामक खेल दिखाया और ट्यूनीशिया के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाए रखा। पहले हाफ में ही स्वीडन ने पहला गोल करते हुए 1-0 की बढ़त हासिल की। यासीन अयारी ने बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाते हुए मैच का पहला गोल दागा। इसके कुछ समय बाद अलेक्जेंडर इसाक ने विक्टर ग्योकेरेस के बेहतरीन पास पर गोल करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। स्वीडन लगातार हमले करता रहा और ट्यूनीशिया को अटैक करने का कोई मौका नहीं दिया।

हालांकि, ट्यूनीशिया ने भी वापसी की कोशिश की और उमर रेकिक ने हैनिबल मेजबरी के क्रॉस पर हेडर लगाकर अपनी टीम के लिए पहला गोल किया। रेकिक के गोल से ट्यूनीशिया के फैंस की उम्मीदें जागीं और स्कोर 2-1 हो गया। मगर मैच के दूसरे हाफ में स्वीडन ने जबरदस्त खेल दिखाया और मुकाबले को एकतरफा कर दिया। ट्यूनीशिया के डिफेंस की गलती का फायदा उठाते हुए अलेक्जेंडर इसाक ने गेंद छीनी और विक्टर ग्योकेरेस को पास दिया। इसके बाद ग्योकेरेस ने आसान फिनिश करते हुए स्कोर 3-1 कर दिया। इसके बाद बतौर सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी मैदान पर उतरे मैटियास स्वानबर्ग ने स्वीडन के लिए चौथा गोल दागा और ट्यूनीशिया की वापसी करने की उम्मीदों को झकझोर रख दिया। स्वीडन का आक्रामक खेल यहीं नहीं रुका। मैच के अंतिम हिस्से में यासीन अयारी ने एक और शानदार लंबी दूरी का शॉट लगाकर अपना दूसरा गोल किया और टीम की 5-1 की बड़ी जीत पक्की कर दी।

व्यापार

115 अरब डॉलर! अडानी और मित्तल की कुल नेटवर्थ से ज्यादा एक दिन में कमा गए मस्क

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पेसएक्स की लिस्टिंग के साथ ही दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ रॉकेट के स्पीड से बढ़ रही है। सोमवार को कंपनी के शेयरों में करीब 20 फीसदी तेजी आई। इससे मस्क की नेटवर्थ में 164 अरब डॉलर (करीब 1,55,14,83,46,00,000 रुपये) की तेजी आई। यह गौतम अडानी (115 अरब डॉलर) और लक्ष्मी मित्तल (40.8 अरब डॉलर) की कंबाइंड नेटवर्थ से ज्यादा है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ अब 1.27 ट्रिलियन डॉलर पहुंच चुकी है। पिछले तीन सत्र में उनकी नेटवर्थ 500 अरब डॉलर से ज्यादा बढ़ी है। मस्क और दूसरे नंबर पर मौजूद लैरी पेज की नेटवर्थ में अब 950 अरब डॉलर से ज्यादा का अंतर हो गया है। स्पेसएक्स का शेयर शुक्रवार को शेयर मार्केट में लिस्ट हुआ था। इस कंपनी में एलन मस्क की करीब 42 फीसदी हिस्सेदारी है। मस्क को कंपनियां दुनिया की 10 टॉप वैल्यूएबल कंपनियों की लिस्ट में शामिल हैं।

कच्चे तेल में गिरावट के बीच सरकार का बड़ा फैसला, डीजल और एटीएफ के निर्यात पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच समझौते की खबर से सोमवार को कच्चे तेल की कीमत में काफी गिरावट आई। इस बीच सरकार डीजल और विमान ईंधन के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स बढ़ा दिया है जबकि पेट्रोल पर टैक्स में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि शुल्क में बढ़ोतरी 16 जून से लागू होगी और 30 जून तक रहेगी। साथ ही, घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई व्यवस्था के तहत डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) की दर बढ़ाकर 14 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है, जो पहले 13.5 रुपये प्रति लीटर थी। वहीं, विमान ईंधन के निर्यात पर एसएईडी बढ़ाकर 12.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जो पहले 9.5 रुपये प्रति लीटर था। पेट्रोल के निर्यात पर लगने वाली शुल्क दर में कोई बदलाव नहीं हुआ है और यह 1.5 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। पश्चिम एशिया में युद्ध के दौरान देश में तेल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए सरकार ने विंडफॉल टैक्स लगाया गया था।

सरकार ने 26 मार्च को डीजल और ञस्न पर एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाई थी और हर दो हफ्ते में इसकी दर में बदलाव किया था। फिर 16 मई को सरकार ने पेट्रोल पर भी एक्सपोर्ट ड्यूटी लगा दी थी। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना था कि एक्सपोर्टर्स कीमतों में अंतर का गलत फायदा न उठा सकें।

अमेरिका-ईरान डील के बाद होर्मुज पार करने वाले भारतीय टैंकर ने रचा इतिहास, लदी है 62,370 टन एलएनजी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका-ईरान समझौते की घोषणा के बाद एक भारतीय लिक्विफाइड नेचुरल गैस टैंकर होर्मुज स्ट्रेट से गुजरा है। यह ऐसा करने वाले शुरुआती बड़े कमर्शियल जहाजों में से एक बन गया है। होर्मुज दुनिया के सबसे अहम एनर्जी कॉरिडोर में से एक है। भारतीय टैंकर का गुजरना इस स्ट्रेट के जरिए शिपिंग की सावधानीपूर्वक बहाली का संकेत है। एलएनजी कैरियर 'दिशा' ने सोमवार को रणनीतिक रूप से अहम इस जलमार्ग को पार किया। इसके 18 जून को गुजरात के दाहेज बंदरगाह पर पहुंचने की उम्मीद है। यह जहाज कतर से 62,370 टन स्र्ह्लत्र लेकर आ रहा है। इसे शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाला एक कंसोर्टियम मैनेज कर रहा है।

संघर्ष के दौरान इस क्षेत्र से गुजरने वाले कई जहाजों के उलट 'दिशा' ने पूरी यात्रा के दौरान अपना ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम चालू रखा। लगातार अपनी लोकेशन और डेस्टिनेशन की जानकारी भेजता रहा। जहाज ने स्ट्रेट से गुजरने वाले स्टैंडर्ड कमर्शियल शिपिंग रूट का पालन किया। इसमें ईरान के लराक द्वीप के पास का समुद्री इलाका भी शामिल था।

भारत के झंडे वाले इतने जहाज होर्मुज से गुजरे: पोर्ट, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, इस साल की शुरुआत में तनाव बढ़ने के बाद से भारत के झंडे वाले 10 जहाज और विदेशी झंडे वाले पांच जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजर चुके हैं। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे अहम समुद्री 'चोकपॉइंट्स' (संकरे समुद्री रास्तों) में से एक है। यह फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है।

इस तरह रच दिया इतिहास

मैरीटाइम ट्रैकिंग डेटा से पता चला कि शुरुआती अमेरिका-ईरान समझौते की घोषणा के बाद इस स्ट्रेट से गुजरने वाले शुरुआती कमर्शियल जहाजों में 'दिशा' शामिल था। अपनी यात्रा फिर से शुरू करने से पहले यह टैंकर संघर्ष के दौरान तीन महीने से अधिक समय तक फारस की खाड़ी में फंसा रहा था।

ट्रंप की घोषणा के बीच हुआ ऐसा

यह घटनाक्रम तब हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वॉशिंगटन और तेहरान के बीच अहम समझौते के बाद तेल से लदे जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने लगे हैं। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, 'होर्मुज स्ट्रेट से जहाज गुजरने लगे हैं। इनमें से कई तेल से लदे हैं।' उन्होंने कहा कि जहाज उस रास्ते से गुजर रहे हैं जिसे उन्होंने सुरक्षित मार्ग बताया।

विदेश में 25 लाख की नौकरी छोड़कर लौट आए गांव

ऐसा किया काम कि अब 25 करोड़ का टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी। रवि सिंह यूपी के आजमगढ़ के रामनगर गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने अपने गांव में ही सफल कारोबार खड़ा कर दिया है। विदेश में 25 लाख रुपये की नौकरी छोड़कर उन्होंने 2020 में इसकी नींव रखी थी। इसका नाम 'अभि मशरूम्स' है। यह पूर्वांचल और उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ा मशरूम प्रोडक्शन सेंटर बन गया है। हर दिन यह 25-30 क्विंटल मशरूम का उत्पादन करता है। इसका टर्नओवर 25 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। आइए, यहां रवि सिंह की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

रवि सिंह पढ़ाई पूरी करने के बाद एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करने लगे थे। 2001 में उन्हें जापान में आईटी इंजीनियर के तौर पर काम करने का मौका मिला। इस नौकरी में उनका सालाना पैकेज 25 लाख था। यह और बात है कि रवि इससे संतुष्ट नहीं थे। उनके मन में छटपटाहट थी। वह हमेशा से कुछ बड़ा करना चाहते थे। लेकिन, सिर्फ अपने लिए नहीं। अपने गांव के लोगों के लिए भी।

आखिरकार रवि ने बहुत विचार करने के बाद नौकरी छोड़कर गांव लौटने का मन बना लिया। वतन वापसी के बाद उन्होंने कई दिन तक नेटवर्क मार्केटिंग में भी हाथ आजमाए। लेकिन, मुकद्दर में कुछ और ही लिखा था। यह उन्हें खींचकर कहीं और ले जाना चाहता था।

रवि सिंह ने 2020 में सिर्फ तीन कमरे, सरकारी सहायता और 20-25 लाख रुपये के निवेश के साथ मशरूम की खेती शुरू की। आगे जो हुआ, वह उस

तरह की सफलता की कहानी है जिसका सपना हर गांव देखता है। अब सालाना 25 करोड़ का टर्नओवर केवल तीन सालों में रवि का ब्रांड 'अभि मशरूम्स' पूर्वांचल में सबसे बड़ा मशरूम प्रोडक्शन सेंटर बन गया। यह हर दिन 25-30 क्विंटल मशरूम का उत्पादन करता है। 250-300 रुपये किलो में बिकने वाले मशरूम के साथ रवि का कारोबार अब हर रोज बिक्री में 5-6 लाख रुपये और सालाना 25 करोड़ रुपये का टर्नओवर करता है।

गांव में ही पैदा किया रोजगार

रवि ने अपने गांव और आस-पास के क्षेत्रों से 150 से अधिक लोगों के लिए नौकरियां पैदा की हैं। आजमगढ़ को एक संपन्न मशरूम सेंटर और ग्रामीण उद्यमिता का प्रतीक बना दिया है।

जापान के टेक ऑफिस से लेकर गांव के खेत तक रवि सिंह ने न केवल एक व्यवसाय बनाया, बल्कि एक आंदोलन भी खड़ा किया है। उन्होंने दिखाया है कि गांव और दूर-दराज के इलाकों से भी बड़ा कारोबार खड़ा करना मुमकिन है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593 RNI No.: DELHIN/2008/23928
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)